राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,18 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 175 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशी कैदियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा क्यों नहीं?, दिल्ली हाईकोर्ट ने जेल अधिकारियों से पूछा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जेल में कैदियों के सामने आने वाले मुद्दों के सिलसिले में जेल प्राधिकार से एक अधिकारी के उपस्थित होने के लिए कहा और पूछा कि विदेशी कैदियों को उनके परिवारों से बात करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा क्यों नहीं दी जाती। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की छात्राओं और दिल्ली दंगों की आरोपी नताशा नरवाल और देवांगना कालिता की जेल सुधार संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रही जस्टिस रेखा पल्ली ने कहा कि विदेशी परिवारों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग क्यों नहीं कराई जाती? आप फोन कॉल की इजाजत दे रहे हैं। आपको अपडेट होना पड़ेगा। जेल महानिदेशक की ओर से वकील गौतम नारायण ने कहा कि इस पहलू पर और अधिक सहायता तथा इस नीति के पीछे कारणों की सही से व्याख्या संबंधित अधिकारी ही कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सक्षम अधिकारी को उपस्थित होने के लिए कहा जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि 10 सितंबर को सुनवाई की अगली तारीख पर मामले के जानकार अधिकारी प्रतिवादी की ओर से मौजूद रहें। नरवाल और कालिता की ओर से वकील अदित एस. पुजारी ने कहा कि मामले में उठाई गई अनेक शिकायतों पर अधिकारियों ने ध्यान दिया है, लेकिन कुछ मुद्दे हैं जिन्हें देखना होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी में अपराध के बढ़ते मामलों का शुक्रवार को संज्ञान लिया और दिल्ली सरकार से कहा कि वह कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों और सजायाफ्ता कैदियों को दी गई अंतरिम जमानत बढ़ाने के आदेशों के प्रभाव पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे।

जस्टिस विपिन सांघी, जस्टिस रेखा पल्ली और जस्टिस तलवंत सिंह की बेंच ने यह भी कहा कि वर्तमान में दिल्ली के किसी भी जेल परिसर में कोविड-19 का कोई मामला नहीं है और सरकार से इस पहलू पर एक रिपोर्ट दाखिल करने को भी कहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने इस्तीफे की खबर को बताया अफवाह, कहा- यह सच नहीं

नई दिल्ली। कर्नाटक में भाजपा के कुछ विधायकों के बागी तेवर ने काफी समय से मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को मुश्किलों में डाल रखा है। कर्नाटक में जारी सियासी गहमागहमी की धमक अब दिल्ली तक पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म है। हालांकि, इन अटकलों पर खुद येदियुरप्पा ने चुप्पी तोड़ी है। मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने इस्तीफे की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल्कुल सच नहीं है। हालांकि, अब येदियुरप्पा ने चुप्पी तोड़ी है और इस बात से साफ इनकार कर दिया है। येदियुरप्पा ने अपने इस्तीफे की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि यह बिल्कुल सच नहीं है।

नेतृत्व परिवर्तन पर नहीं दिया जवाब

राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की

अटकलें तेज हैं और ऐसे में प्रधानमंत्री और केंद्रीय नेताओं से मिलने के लिए उनके दिल्ली पहुंचने से इन अटकलों को और बल मिला है। लेकिन, राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कोई सीधा जवाब नहीं दिया। इसे टालते हुए उन्होंने हंसते हुए पत्रकारों से कहा, ''मैं नहीं जानता। आप ही बता दो।''

दरअसल, कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ही कुछ बागी नेता मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं और इस वजह से पार्टी की किरकिरी भी हो रही है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने ऐसे नेताओं को चेतावनी दी है लेकिन इसके बावजूद आरोपों का यह सिलसिला जारी है।

जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे येदियुरप्पा

दिल्ली में प्रधानमंत्री से लगभग 20 मिनट की इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से मेकेदातु बांध परियोजना सहित राज्य के विकास से जुड़ी लंबित परियोजनाओं के जल्द क्रियान्वयन का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि- मैं राजनाथ सिंह जी, अमित शाह जी, जेपी नड्डा जी से बात करूंगा और मेकेदातु परियोजना की अनुमति लेने के लिए जल संसाधन मंत्री से भी मिलूंगा।

येदियुरप्पा की कुर्सी पर खतरा?

कर्नाटक से दिल्ली का मुख्यमंत्री का यह दौरा ऐसे समय में हुऐ है जब उनके शेष दो साल के कार्यकाल के लिए अपने पद पर बने रहने को लेकर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसी भी अटकलें हैं कि येदियुरप्पा किसी भी

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म है। हालांकि, इन अटकलों पर खुद येदियुरप्पा ने चुप्पी तोड़ी है। मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने इस्तीफे की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल्कुल सच नहीं है। हालांकि, अब येदियुरप्पा ने चुप्पी तोड़ी है और इस बात से साफ इनकार कर दिया है। येदियुरप्पा ने अपने इस्तीफे की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि यह बिल्कुल सच नहीं है।

असंतोष को शांत करने के लिए विद्रोहियों को समायोजित करने के लिए कैबिनेट फेरबदल के लिए केंद्र का आशीर्वाद लेंगे।

'मैं ऐसे सर्कस का हिस्सा नहीं'

वर्चुअल सुनवाई में आई बाधा तो जज ने एचसी के अफसरों को लगाई फटकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक केस की वर्चुअल सुनवाई के दौरान तकनीकी गड़बड़ी की वजह से एक जज इतने नाराज हुए कि न सिर्फ उन्होंने अधिकारियों को खूब फटकार लगाई, बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर दिया। कलकत्ता उच्च न्यायालय के जज सब्यसाची भट्टाचार्य ने शुक्रवार को तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से वर्चुअल सुनवाई बाधित होने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और वर्चुअल सुनवाई वाले सेटअप के प्रभारी परियोजना समन्वयक (सेंट्रल प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर) को नोटिस जारी किया। नोटिस में यह पूछा गया कि प्रशासनिक पक्ष को लेकर प्रोजेक्ट के समन्वयक और हाईकोर्ट के अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य ने कहा कि तकनीकी गड़बड़ियां अब रोज का किस्सा हो गई हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह अदालत उचित रूप से न्याय सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम आभासी सेवाएं और कनेक्टिविटी प्रदान

करने में भी असमर्थ है। जज ने केंद्रीय परियोजना समन्वयक को शुक्रवार को दोपहर 3 बजे तक अपना जवाब उनके कक्ष में भेजने का आदेश दिया था, क्योंकि अदालत तब तक बैठने में असमर्थ थी जब तक कि कनेक्टिविटी के मुद्दे पूरी तरह से हल नहीं हो जाते। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने अपने आदेश में कहा कि यह यहां रिकॉर्ड भी किया जा सकता है कि तकनीकी गड़बड़ी एक डेली की रूटीन बन गई है और मुझे शर्म आती है कि हमारे सम्मानित उच्च न्यायालय, जिसका एक शानदार इतिहास है, को इस तरह से महत्वहीन किया जा रहा है कि हम केवल कनेक्टिविटी मुद्दों के कारण बड़े पैमाने पर वादियों को न्याय नहीं दे सकते हैं। जज ने आगे कहा कि मैं स्पष्ट रूप से इस तरह के सर्कस का हिस्सा बनने से इनकार करता हूं, क्योंकि मैंने उन वादियों को न्याय देने की शपथ ली है, जो अदालत कक्षों के बाहर हैं, न्यायाधीशों के लिए बने वातानुकूलित (एसी) कमरों की पहुंच से बाहर हैं और धूप व धूल में बाहर मेहनत कर रहे हैं।

देश के इन इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी, यूपी और हिमाचल के लिए अलर्ट जारी

नई दिल्ली। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण पश्चिम मॉनसून के फिर से सक्रिय होने की वजह से उत्तरी क्षेत्र सहित देश के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों में बारी बारिश होगी। 17 से 20 जुलाई तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि राजधानी दिल्ली में आज हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश की ताजा चेतावनी जारी की गई है। वहीं, अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात, मध्य प्रदेश और दक्षिण राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने के साथ मध्यम से तेज आंधी आ सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक 18 से 20 जुलाई तक पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश में भारी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि 18 जुलाई को दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, इसके अलावा 18 जुलाई को उत्तर प्रदेश, 19 जुलाई को जम्मू और 18 और 19 जुलाई को उत्तराखंड में भी भारी बारिश की संभावना है। 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने की

संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले छह-सात दिनों के दौरान गुजरात को छोड़कर भारत के शेष हिस्सों में अलग-अलग भारी गिरावट के साथ व्यापक वर्षा जारी रहने की संभावना है। इसी अवधि के दौरान कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र के क्षेत्रों, कर्नाटक, केरल में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि 19 जुलाई तक पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के साथ व्यापक वर्षा होने की संभावना है।

दिल्ली में शनिवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई गई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में शनिवार को मैदानी इलाकों, निचली पहाड़ियों और मध्य पहाड़ियों में भारी बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। इसने 18-20 जुलाई के लिए भारी से बहुत भारी बारिश के लिए नारंगी चेतावनी भी जारी की गई है।हरियाणा के लिए मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 18, 19 और 20 जुलाई को छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। पंजाब के लिए पूर्वानुमान में कहा गया है कि 18 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है, जबकि 19 और 20 जुलाई को अलग-थलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

केंद्र ने गोदावरी, कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड अधिसूचित किया

नई दिल्ली। केंद्र ने गोदावरी और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड अधिसूचित कर उन्हें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में इन दोनों नदियों पर सूचीबद्ध परियोजनाओं के क्रियान्वयन, नियमन,संचालन और रखरखाव के लिए कहीं अधिक शक्तियां दी हैं। जल शक्ति मंत्रालय नेयह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि 15 जुलाई को जारी अधिसूचना से दोनों राज्यों के बीच क्षेत्र में जल प्रबंधन को लेकर होने वाले टकराव के घटने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि दो बोर्डों के अधिकारक्षेत्र

अधिसूचित करने का केंद्र सरकार का फैसला नदी बोर्ड को एपीआरए (आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम)2014 में दी गई जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभाने में सक्षम बनाएगा तथा दोनों राज्यों के बीच जल संसधान के विषयों का समाधान करेगा।

स्टडी में दावा

कोरोना के टीके की दो खुराक से 95 प्रतिशत तक घटेगा मौत का खतरा

नई दिल्ली। कोरोना रोधी टीका लगाने के बाद संक्रमण भले ही हो जाए, लेकिन मौत का खतरा 95 फीसदी तक कम हो जाता है। पूर्व में हुए अध्ययनों में इस बात की पुष्टि हो चुकी है लेकिन एक और ऐसा अध्ययन सामने आया है। यह अध्ययन तमिलनाडु के पुलिसकर्मियों पर किया गया है। पुलिसकर्मियों को कोरोना संक्रमण के लिहाज से उच्च जोखिम वाले समूह में माना जाता है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने प्रेसवार्ता में इस अध्ययन का ब्योरा रखा। उन्होंने कहा कि यह वास्तविक आंकड़ों पर आधारित अध्ययन है। इसमें

पुलिसकर्मियों को कोरोना संक्रमण के लिहाज से उच्च जोखिम वाले समूह में माना जाता है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने प्रेसवार्ता में इस अध्ययन का ब्योरा रखा। उन्होंने कहा कि यह वास्तविक आंकड़ों पर आधारित अध्ययन है।

पाया गया है कि तमिलनाडु पुलिस के जिन 17059 कार्मिकों को कोई भी टीका नहीं लगा था, उनमें से कोरोना की दूसरी लहर के दौरान 20 की मृत्यु हुई। यानी प्रति एक हजार पर 1.17 मौतें हुईं। 32792 पुलिसकर्मियों ने टीके की एक खुराक ली थी। इनमें से सात लोगों की मृत्यु हुई। इस प्रकार प्रति एक हजार पर 0.21 मौतें हुईं। तीसरे समूह में वे पुलिसकर्मी थे जिन्हें दोनों टीके लग चुके थे। इनकी संख्या 67673 थी। इनमें से सिर्फ चार लोगों की मौत हुई। यानी प्रति हजार पर मृत्यु दर महज 0.06 रही।

एक खुराक से मृत्यु का खतरा 82 प्रतिशत तक कम - पॉल ने कहा कि टीके की एक खुराक से मृत्यु का खतरा 82 फीसदी और दोनों खुराकों से 95 फीसदी कम होता है। यह अध्ययन उन लोगों पर है जो कोरोना संक्रमण के लिए लिहाज से ज्यादा संवेदनशील हैं। यह दर्शाता है कि पूर्व टीकाकरण मृत्यु से करीब-करीब पूरी सुरक्षा प्रदान करता है।

अर्थव्यवस्था के लिए दी गई ढील, फिर से मुश्किल खड़ी करेगी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस ने दक्षिण एशिया को एक बार फिर से अपने चपेट में ले लिया है। कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का तेजी से प्रसार और टीकाकरण की धीमी गति के कारण दक्षिण एशिया महामारी से युद्ध का सबसे बद्तर मैदान बनता जा रहा है। जॉन हॉपनिकन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार लैटिन अमेरिका और भारत समेत अन्य देशों में संक्रमण ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली है। पिछले सात दिनों में बुधवार तक मौतों के ग्राफ में 39 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो दुनियाभर में सबसे तेज है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले समय में संक्रमण का ग्राफ बढ़ने पर मौतों का भी ग्राफ बढ़ेगा।

दक्षिण एशिया में कुल नौ फीसदी टीकाकरण-आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि दक्षिणपूर्व एशिया में कुल टीकाकरण की दर नौ फीसदी है। वहीं पश्चिमी देशों, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में आधे से अधिक आबादी को टीका लग गया है। सबसे खराब स्थिति अफ्रीका और मध्य एशिया में है जहां टीकाकरण की दर बहुत कम है। इसी का नतीजा है कि संक्रमण एक बार फिर बेकाबू होता दिख रहा है।

लॉकडाउन में ढील का नतीजा सामने

रिपोर्ट के अनुसार संक्रमण की तेज रफ्तार का कारण लॉकडाउन में दी गई राहत है। उद्योग और व्यापार को चलाने के लिए दुनिया के सभी देशों ने अपने सीमाओं को खोला है जिसकी बदौलत वायरस अपना दायरा बढ़ा रहा है। सिंगापुर एक मात्र ऐसा देश है जिसने अपनी सीमाओं को खोला तो है लेकिन टीकाकरण पर जोर दे रहा है, आवाजाही को लेकर कई तरह की शर्तें हैं जिस कारण स्थिति नियंत्रण में है।

कोरोना के डेल्टा वैरिएंट का तेजी से प्रसार और टीकाकरण की धीमी गति के कारण दक्षिण एशिया महामारी से युद्ध का सबसे बद्तर मैदान बनता जा रहा है। जॉन हॉपनिकन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार लैटिन अमेरिका और भारत समेत अन्य देशों में संक्रमण ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली है। पिछले सात दिनों में बुधवार तक मौतों के ग्राफ में 39 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो दुनियाभर में सबसे तेज है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले समय में संक्रमण का ग्राफ बढ़ने पर मौतों का भी ग्राफ बढ़ेगा।

टीकाकरण की धीमी गति घातक

सिंगापुर के ऑक्सफोर्ड इकनॉमिक्स लिमिटेड वरिष्ठ अर्थशास्त्री सियान फेनर का कहना है कि महामारी की तेज रफ्तार और टीकाकरण की धीमी गति का नुकसान फिर से अर्थव्यवस्था होगा। वायरस हावी होगा तो लोगों की जान बचाने के लिए फिर से बंदिशें लगानी पड़ेंगी, इसका नतीजा ये होगा कि अर्थव्यवस्था एक बार फिर से बेपटरी हो जाएगी। इसका सबसे अधिक नुकसान दुनियाभर की आय के चक्र पर पड़ेगा।

इंडोनेशिया बन रहा महामारी का केंद्र

इंडोनेशिया में हालात बेकाबू हो चले हैं, वहां भारत से भी ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। आने वाले समय में इंडोनेशिया महामारी का केंद्र होगा। इसके बाद उसके आसपास के क्षेत्र भी इसी तरह की स्थिति से गुजरेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मीडिया पर हमला

अफगानिस्तान में भारतीय फोटो पत्रकार की हत्या जितनी दुखद है, उतनी ही चिंताजनक भी। दानिश सिद्दीकी की हत्या ने अफगानिस्तान में पूरे मीडिया को गंभीर चिंता में डाल दिया है। गोलीबारी या मुठभेड़ की स्थिति में आम तौर पर किसी पत्रकार को निशाना नहीं बनाया जाता है, पर तालिबान ने जो दुस्साहस किया है, दरअसल वह प्रेस या मीडिया पर हमला है। निर्मम और बर्बर नियम-कायदे वाले तालिबान प्रेस को कतई महत्व नहीं देते हैं, वे अपनी राह में आने वाले हरेक शख्स को पागलपन के साथ रास्ते से हटाते हैं। कंधार में तालिबान ने भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की उस वक्त हत्या कर दी, जब वह अफगान सुरक्षा बलों के साथ वहां के हालात की रिपोर्टिंग कर रहे थे। समाचार एजेंसी रॉयटर्स से जुड़े दानिश पुलित्जर पुरस्कार विजेता थे। गौरतलब है कि 13 जुलाई को भी उन पर हमला हुआ था और वह बाल-बाल बचे थे। हवाई हमले में बचने के बाद दानिश ने खुद ट्वीट करके हमले की जानकारी दी थी और कहा था कि वह भाग्यशाली रहे, बच गए। लेकिन दूसरी बार हुए हमले में वह भाग्यशाली साबित नहीं हुए और उनकी हत्या की खबर से दुनिया स्तब्ध रह गई। दानिश ने विगत दिनों एक फौजी की कहानी बयान की थी कि कैसे एक जवान अपने साथियों से अलग हो गया था और तालिबान से घंटों तक अकेले ही लड़ा। शायद ऐसी साहसिक रिपोर्टिंग की वजह से ही दानिश तालिबान के निशाने पर आ गए थे। तालिबान को कतई यह पसंद नहीं है कि कोई निष्पक्ष रिपोर्टिंग करे। तालिबान सच को दबाने की जघन्य आपराधिक साजिश के तहत ही पत्रकारों को निशाना बना रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष अभी तक अफगानिस्तान में छह पत्रकारों की हत्या हो चुकी है, जिनमें चार तो महिला पत्रकार हैं। पिछले पूरे साल में छह पत्रकार रिपोर्टिंग करते हुए वहां शहीद हुए थे। आशंका है, इस साल पत्रकारों को अफगानिस्तान में बहुत सावधानी के साथ अपना काम करना होगा। साल 2018 में इस संकटग्रस्त देश में 16 पत्रकारों को जान गंवानी पड़ी थी। आखिर पत्रकारों से क्या दुश्मनी है? पत्रकार किसी भी समाज को बेहतर और पारदर्शी बनाने में अपनी भूमिका निभाते हैं, लेकिन दुनिया में ऐसा क्यों होता है कि पत्रकारों को नापसंद किया जाता है? खासकर संकटग्रस्त इलाकों में तो पत्रकारों को विशेष रूप से सुरक्षा देने की जरूरत है। कंधार ही नहीं, पूरा अफगानिस्तान लड़ाई का अड्डा बनता जा रहा है। मजबूर होकर भारत ने 10 जुलाई को कंधार में वाणिज्य दूतावास से लगभग 50 राजनयिकों, सहायक कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को भारतीय वायु सेना की मदद से वापस बुलाया है। जाहिर है, इस तरह से अपने लोगों का बचाव करना सही है, लेकिन तालिबान अब जो कर रहा है, उस बारे में पूरे विश्व को ज्यादा कड़ाई से संज्ञान लेना चाहिए। जो देश तालिबान के पीछे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खड़े हैं, उन्हें भी सभ्यता और मानवीयता के आईने में अपनी छवि देख लेनी चाहिए। जो देश हिंसा या हत्या में भेद करते हैं, जो देश पत्रकारों की राष्ट्रीयता के आधार पर संवदेना का इजहार करते हैं, वे वास्तव में ऐसी हिंसा व हत्या को बढ़ावा ही देते हैं। दानिश सिद्दीकी की हत्या अफगानिस्तान और दुनिया के लिए एक निर्णायक बिंदु होनी चाहिए और अब समय आ गया है कि मानवता के दुश्मनों को पहचानकर ठिकाने लगाया जाए।

'आज के ट्वीट

सर्वोच्च प्राथमिकता

किसान कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इसी भावना के साथ हमारी सरकार ने किसानों को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसी कड़ी में अब हम 'मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना' शुरू करने जा रहे हैं। -- मु. अशोक गहलोत

सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप काशी का विकास

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

रुद्राक्ष का निर्माण जापान सरकार ने कराया है। यह भारत और जापान की मित्रता का प्रतीक है। केंद्र व उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकारें सांस्कृतिक नगरों के विकास पर ध्यान दे रही है। इसके दृष्टिगत अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनसे जुड़े अनेक मार्गों का निर्माण किया जा रहा है। काशी भी इसमें सम्मलित है। यह दुनिया का सबसे प्राचीन नगर है।

विकास की समग्र अवधारणा में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व ऐतिहासिक नगरों का विशेष महत्व होता है। अनेक देशों ने इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया। उन्होंने अपने ऐसे नगरों में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई। उनकी अर्थव्यवस्था में पर्यटन व तीर्थाटन का विशेष योगदान रहता है। वहां विश्व स्तरीय सुविधाओं व संसाधनों का विकास किया। इसके कारण अनेक स्थानों को विश्वस्तरीय प्रतिष्ठा मिली। स्वतंत्रता के बाद भारत के लिए भी ऐसा करने का अवसर था। लेकिन कतिपय मध्यकालीन इमारतों के अलावा अन्य ऐतिहासिक स्थानों के विकास पर उचित ध्यान नहीं दिया गया। नरेंद्र मोदी ने जब काशी को क्वेटो जैसा विकसित करने की बात कही थी, तब इसका प्रतीकात्मक महत्व था। क्वेटो को विश्वस्तरीय बनाने में वहां की अनेक सरकारों ने प्रयास किया था। जबकि हमारे यहां इस प्रकार के विजन का अभाव रहा है। नरेंद्र मोदी सरकार ने तीर्थाटन व पर्यटन पर अत्यधिक जोर दिया। इस विषय को प्राथमिकता में शामिल किया। नरेंद्र मोदी ने गुजरात में बतौर मुख्यमंत्री अनेक नगरों का पर्यटन की दृष्टि से विकास किया था। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित होने के बाद वह काशी आये थे। यहां उन्होंने कहा था कि ना मैं आया हूँ, ना किसी ने मुझे भेजा है, मुझे मां गंगा ने बुलाया है। उनका यह कथन काशी की सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप था। जिसमें यहां के विकास का भाव भी समाहित था। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने इस दिशा में प्रयास किये। लेकिन विकास को वास्तविक गति योगी आदित्यनाथ सरकार ने दी। नरेंद्र मोदी अक्सर काशी आते रहे हैं। प्रत्येक बार यहां वह विकास संबन्धी अनेक योजनाओं की सौगात देते हैं। इसबार की यात्रा भी इस दृष्टि से महत्वपूर्ण रही। इसमें जापान और भारत की मैत्री का प्रतीक स्थल भी शामिल है। उन्होंने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण किया। बीएचयू परिसर में सौ बेड के एमसीएच विंग का दौरा किया। पहले तल पर बने पीडियाट्रिक वार्ड के निरीक्षण के बाद डॉक्टरों व अफसरों से संवाद किया। प्रधानमंत्री के समक्ष कोरोना की तीसरी लहर से बचाने के उपायों के बाबत जिला प्रशासन की ओर से प्रजेंटेशन दिया गया। प्रधानमंत्री ने काशी को एक सौ बयालीस परियोजनाओं की सौगात प्रदान की। अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर रुद्राक्ष का लोकार्पण विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। इसके प्रति अनेक देशों की जिज्ञासा रही है। इस दौरान भारत में जापान के राजदूत भी मौजूद थे। जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा कार्यक्रम से वर्चुअल रूप में सगभागी रहे। नरेंद्र मोदी ने यहां के पार्क में रुद्राक्ष का पौधा लगाएंगे। रुद्राक्ष का निर्माण जापान सरकार ने कराया है। यह भारत और जापान की मित्रता का प्रतीक है। केंद्र व उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकारें सांस्कृतिक नगरों के विकास पर ध्यान दे रही है। इसके दृष्टिगत अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनसे जुड़े अनेक मार्गों का निर्माण किया जा रहा है। काशी भी इसमें सम्मलित है। यह दुनिया का सबसे प्राचीन नगर है। योगी आदित्यनाथ ने इस क्षेत्र में औपचारिकता के निर्वाह की नीति में बदलाव किया। वह तीर्थाटन व पर्यटन को बढ़ावा देने के अभियान में सक्रियता से शामिल हुए। पर्यटन के मामले में उत्तर प्रदेश बेजोड़ है। काशी, मथुरा, अयोध्या, सारनाथ, कुशीनगर की महिमा व प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में है। स्वतन्त्रता के बाद से ही इन स्थानों को विश्वस्तरीय बनाने की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए था। लेकिन पिछली सरकारों में इन्हें लेकर एक संकोच था, जिसके चलते इन पर्यटन केंद्रों की उपेक्षा हुई। धार्मिक पर्यटन से तो लोगों की आस्था जुड़ी होती है। सरकार उचित व्यवस्था न करे, तब भी लोग वहां पहुँचते ही हैं। ऐसे अनेक देवी स्थल हैं, जहाँ नवरात्रि जैसे अवसरों पर लोग बस व ट्रेन से पहुंचते हैं। लेकिन व्यवस्था न होने के कारण उन्हें सड़क किनारे किसी बाग आदि में रात्रि विश्राम को विवश होना पड़ता है। ऐसे दृश्य किसी भी तीर्थ में देखे जा सकते हैं। जो लोग काशी और क्वेटो को लेकर मोदी सरकार पर कटाक्ष करते थे वह अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। सात दशक पहले आबादी कम थी। उस समय से सुनियोजित और सन्तुलित विकास किया जाता तो आज इतनी समस्या न होती। लेकिन जब प्राथमिकता में ही ये स्थान नहीं थे। ऐसे धार्मिक पर्यटन स्थल का विकास कैसे हो सकता था। वह अपने गांव व निर्वाचन क्षेत्र के लिए बहुत सजग रहते थे। लेकिन धार्मिक पर्यटन स्थलों के प्रति ऐसी उदारता नहीं दिखाई देती थी। केवल कुछ सड़के बना देते से पर्यटन के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी पूरी नही होती।इसके लिए भावना का एक स्तर भी होना चाहिए। पहले इसका अभाव था। ऐसा नहीं कि क्वेटो प्राचीन काल से सुविधा संपन्न था। कुछ दशक पहले ही जापान की सरकार ने इस ओर ध्यान दिया। देखते ही देखते उसका सुनियोजित विकास हुआ। विश्व की सबसे प्राचीन नगरी काशी है। अयोध्या में श्रीराम, मथुरा में श्रीकृष्ण ने अवतार लिया। सारनाथ और कुशीनगर गौतम बुद्ध से जुड़े तीर्थ हैं। बीस से अधिक देशों की आस्था यहां से जुड़ी है। ये देश यहां के विकास से अपने को जोड़ना चाहते हैं। लेकिन हम इसका भी अपेक्षित लाभ नहीं उठा सके। योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक पर्यटन की कमियों की ओर गंभीरता से ध्यान दिया है। वह भावनात्मक रूप में भी इन स्थानों से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका को विस्तार दिया है। अयोध्या में दीपावली, मथुरा और गोरखपुर में होली के माध्यम से उन्होंने धार्मिक पर्यटन के लिए सन्देश देने का भी काम किया है। गढ़मुक्तेश्वर को विश्व स्तरीय आध्यत्मिक नगरी बनाने का निर्णय महत्वपूर्ण है। यह योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का ही परिणाम है। इसके लिए मलेशिया की कम्पनी ने पांच हजार करोड़ रुपये का एमओयू किया है। इस प्रयास से महाभारतकालीन गढ़मुक्तेश्वर पर्यटन का अंतराष्ट्रीय केंद्र बनेगा। इसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर विकसित किया जाएगा। इसके गंगा किनारे स्थित इलाकों को सँवारा जा रहा है। काशी का विकास भी सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

परमात्मा का कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक औरत रोटी बनाते बनाते मंत्र जाप कर रही थी, अलग से पूजा का समय कहां निकाल पाती थी बेचारी, तो बस काम करते-करते ही एकाएक धड़ाम से जोरों की आवाज हुई और साथ में दर्दनाक चीख। कलेजा धक से रह गया, जब आंगन में दौड़ कर झांकी तो आठ साल का चुन्नू चित्त पड़ा था, खून से लथपथ। मन हुआ दहाड़ मार कर रोये। परंतु घर मे उसके अलावा कोई था नहीं, रोकर भी किसे बुलाती, फिर चुन्नू को संभालना भी तो था। दौड़ कर नीचे गई तो देखा चुन्नू आधी बेहोशी में मां-मां की रट लगाए हुए है। अंदर की ममता ने आंखों से निकल कर अपनी मौजूदगी का अहसास करवाया। फिर 10 दिन पहले करवाए अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बावजूद ना जाने कहां से इतनी शक्ति आ गई कि चुन्नू को गोद मे उठा कर पड़ोस के नर्सगि होम की ओर दौड़ी। रास्ते भर भगवान को जी भर कर कोसती रही। खैर डॉक्टर साहब मिल गए और समय पर इलाज होने पर चुन्नू बिल्कुल ठीक हो गया। चोटें गहरी नहीं थी, ऊपरी थीं तो कोई खास परेशानी नहीं हुई। रात को घर पर जब सब टीवी देख रहे थे तब उस औरत का मन बेचैन था। भगवान से विरक्ति होने लगी थी। एक मां की ममता प्रभुसत्ता को चुनौती दे रही थी। उसके दिमाग मे दिन की सारी घटना चलचित्र की तरह चलने लगी। कैसे चुन्नू आंगन में गिरा की एकाएक उसकी आत्मा सिहर उठी, कल ही तो पुराने चापाकल का पाइप का टुकड़ा आंगन से हटवाया है, ठीक उसी जगह था जहां चिंटू गिरा पड़ा था। अगर कल मिस्त्री न आया होता तो..? उसका हाथ अब अपने पेट की तरफ गया जहां टांके अभी हरे ही थे, ऑपरेशन के। आश्चर्य हुआ कि उसने 20-22 किलो के चुन्नू को उठाया कैसे, कैसे वो आधा किलोमीटर तक दौड़ती चली गई? वैसे तो वो कपड़ों की बाल्टी तक छत पर नहीं ले जा पाती। फिर उसे ख्याल आया कि डॉक्टर साहब तो 2 बजे तक ही रहते हैं और जब वो पहुंची तो साढ़े 3 बज रहे थे, उसके जाते ही तुरंत इलाज हुआ, मानो किसी ने उन्हें रोक रखा था। उसका सर प्रभु चरणों मे श्रद्धा से झुक गया। अब वो सारा खेल समझ चुकी थी। मन ही मन प्रभु से अपने शब्दों के लिए क्षमा मांगी। भगवान कहते हैं, 'मैं तुम्हारे आने वाले संकट रोक नहीं सकता, लेकिन तुम्हें इतनी शक्ति दे सकता हूं कि तुम आसानी से उन्हें पार कर सको, तुम्हारी राह आसान कर सकता हूं। बस धर्म के मार्ग पर चलते रहो।'

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

बेटी बोझ नहीं, बरक्कत का सबब

- मनोज कुमार

मन के अंधियारे को दूर करने के लिए एक दीपक जलाना जरूरी होता है. और जब भारतीय समाज बेटी की बात करता है तो उसके मन में एक किस्म की निराशा और अवसाद होता है. बेटी यानि परिवार के लिए बोझ. यह किसी एक प्रदेश, एक शहर या एक समाज की कहानी नहीं है बल्कि घर-घर की कहानी है. किसी राज्य या शहर में ऐसी सोच रखने वालों की कमी या अधिकता हो सकती है लेकिन हैं सब इस मानसिक बीमारी से ग्रस्त. मध्यप्रदेश इससे अछूता नहीं था. असमय बच्चियों का ब्याह, स्कूल भेजने में हील-हवाला करना और उनके स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आम थी. लेकिन साल 2007, तारीख 1 अप्रेल जैसे बेटियों के भाग्य खुलने का दिन था. इस दिन देश के हृदयप्रदेश अर्थात मध्यप्रदेश बेटियों के भाग्य जगाने के लिए योजना आरंभ की थी-लाडली लक्ष्मी योजना. जैसा कि हमारा मन बना होता है सरकार की योजना है, कुछ नहीं होने वाला. कागज पर बना है और कागज पर ही दम तोड़ देगा. आहिस्ता आहिस्ता समय ने करवट ली और शहर से गांव तक बेटियों के हिस्से में खुशियां दस्तक देने लगी. सालों से सरकारी योजनाओं के बारे में बना भरम टूटने लगा. किसी को यकिन ही नहीं हो रहा था कि बेटी, बोझ नहीं, बेटी बरक्कत का सबब है. और आज जब इसमें एक नया पाठ मुख्यमंत्री शिवराजसिंह लिखते हैं कि लाड़ली लक्ष्मी योजना को शिक्षा और रोजगार से जोड़ा जाएगा तो किसी को शक नहीं होता है. बीते सालों के उनके अपने अनुभव सच के करीब होते हैं तो इस नए सबक पर कैसा शक? 2007 से लेकर 2021 तक की इस योजना की पड़ताल करें तो आप बहुत बारीक नहीं, मोटा-मोटा आंकड़ा भी देखें तो चौंक जाएंगे. इस समय लाडली लक्ष्मी योजना में 39 लाख 37 हजार बालिकाएं पंजीकृत हैं. राज्य में बेटियों को साहस और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए लाड़ली लक्ष्मी अधिनियम 2018 प्रभावशील है. लाड़ली लक्ष्मी निधि में 9,150 करोड़ रुपए जमा हैं. इस योजना में कक्षा 6 में प्रवेश पर 2 हजार रूपए, कक्षा 9 में प्रवेश पर 4 हजार रूपए, कक्षा 11 में प्रवेश पर 6 हजार रूपए और कक्षा 12 में प्रवेश पर 6 हजार रूपए की छात्रवृत्ति दी जाती है. 5 लाख 91 हजार 203 स्कूल जाने वाली लाडलियों को 136 करोड़ की छात्रवृत्ति का अब तक वितरण किया जा चुका है. 12वीं की परीक्षा में शामिल होने लाडली और 18 वर्ष की आयु तक विवाह न करने तथा 21 वर्ष पूर्ण होने पर एक लाख रुपये भी उसके भावी जीवन के लिए सरकार की ओर से दिया जाता है. लाडली लक्ष्मी योजना के बाद जैसे मां-बाप का मन बदलने लगा. प्रदेश में लगातार बाल विवाह का ग्राफ गिरने लगा. बेटियों को बरक्कत मानकर उन्हें पढ़ाने पर जोर दिया जाने लगा. उनके स्वास्थ्य को लेकर भी समाज में जागरूकता आयी. लैंगिक विभेद को लेकर भी लोगों का मन बदलने लगा. मध्यप्रदेश में लैंगिग समानता के लिए एक नया माहौल बनने लगा है. लाडली लक्ष्मी योजना के पहले बेटियों को लेकर जो भाव था, वह निराश कर रहा था. हालांकि इसके पहले भी योजनाएं बनी लेकिन वह बेटियों के आंगन में रोशनी पहुंचा पाती, इसके पहले दम तोड़ दे रही थीं. बेटियों को लेकर लगातार चिंता करने वाले मध्यप्रदेश ने देश के अन्य राज्यों के लिए आदर्श बनकर खड़ा हुआ है. अलग अलग नाम के साथ लाडली लक्ष्मी योजना अन्य राज्यों में लागू है. लाडली लक्ष्मी योजना अपने आरंभिक चरण में लोगों के मन में विश्वास उत्पन्न करने में कामयाब रही. अब इसे विस्तार देते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंशा जतायी है कि अब एक कदम आगे बढक़र लाड़ली लक्ष्मी योजना को शिक्षा और रोजगार से जोड़ा जाएगा। लाड़ली लक्ष्मी योजना में पंजीकृत बेटियां सशक्त, समर्थ, सक्षम और आत्म-निर्भर बनकर समाज में योगदान दें, इसके लिए लाड़ली लक्ष्मियों को उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, रोजगार, स्व-रोजगार आदि के लिए हरसंभव मार्गदर्शन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जाएगा. लाड़ली लक्ष्मी योजना में बालिकाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, कौशल संवर्धन और उन्हें आत्म-निर्भर बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। 12वीं कक्षा पास करने के बाद लाड़ली लक्ष्मी की रूचि, दक्षता और क्षमता के अनुसार उच्च शिक्षा या तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जाएगा. इसके पहले लाड़ली लक्ष्मी योजना में पंजीकृत सभी बालिकाओं की शिक्षा की निरंतरता के लिए कक्षावार ट्रेकिंग किये जाने की योजना है. लाड़ली के पहली में प्रवेश लेने से लेकर 12वीं कक्षा तक ट्रेकिंग के लिए पोर्टल विकसित किया जाएगा. पंजीकृत बालिकाओं को 12वीं कक्षा तक पढ़ाई पूरी करने पर आगे की शिक्षा अथवा व्यवसायिक प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहन स्वरूप 20 हजार रूपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। एक लाख रूपए में से शेष 80 हजार रुपए का भुगतान 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर होगा। बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए योजना को स्वास्थ्य और पोषण से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री का मानना है कि लाड़ली लक्ष्मी योजना को आर्थिक सहायता वाली योजना से बाहर लाकर बालिकाओं को यह अनुभव कराना होगा कि वे अपने माता-पिता और समाज के लिए विशेष महत्व रखती हैं। उन्हें विश्वास देना होगा कि वे जीवन में नए आयाम और उपलब्धियां प्राप्त कर सकती हैं। समाज में यह धारणा भी स्थापित करना है कि बेटी बोझ नहीं बुढ़ापे का सहारा है। मध्यप्रदेश देश हृदय प्रदेश है और यह हृदय बेटियों के लिए धडक़ता है क्योंकि बेटी और जल हमारा कल बनाती ही नहीं, संवारती भी है.

DBT के जरिए की जाने वाली ट्रांजैक्शन संख्या 37फीसदी बढ़कर 3.9 करोड़ पर पहुंची: गर्ग

नई दिल्ली: डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर योजना यानी डीबीटी के जरिए की जाने वाली ट्रांजैक्शन संख्या साल 2020 के 2.8 करोड़ के मुकाबले इस वर्ष अब तक 37 फीसदी बढ़कर 3.9 लाख करोड़ पर पहुंच गई। यूआईडीएआई (UIDAI) के चीफ एग्जीक्यूटिव सौरभ गर्ग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गर्ग ने इकोनॉमिक टाइम्स अखबार द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए की जाने वाली लेनदेन संख्या 2020 से लेकर अब तक 37 फीसदी बढ़कर 3.9 लाख करोड़ पर पहुंच गई है। इसी कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय शहरी विकास और आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केंद्र ने डीबीटी योजना के तहत इस साल अब तक 68,903 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की है। उन्होंने इस संबंध में हालांकि कोई अधिक जानकारी या पिछले आंकड़े नहीं दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने वित्तीय समावेशन की दिशा में कई कदम उठाए हैं। विशेष रूप से बैंक खाता खोलने के अभियान के लिए जिससे अब 42 करोड़ खाते खोलने में मदद मिली है। उल्लेखनीय है कि डीबीटी से नकद लाभ को सीधे लाभार्थी के खाते में जमा करना सुनिश्चित होता है। इसके जरिए धनराशि को अन- यत्र भेजने से मुक्ति मिलती है और दक्षता बढ़ती है।

ओला स्कूटर को एक दिन में मिलती है एक लाख बुकिंग

नई दिल्ली। सवारी देने वाली कंपनी ओला ने शनिवार को घोषणा की कि उसके इलेक्ट्रिक स्कूटर ने पहले 24 घंटों के भीतर 100,000 रिकॉर्ड तोड़ बुकिंग प्राप्त की हैं, जिससे यह दुनिया में सबसे ज्यादा स्कूटर बुक किया जाने वाला बन गया है। ओला इलेक्ट्रिक ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए 15 जुलाई की शाम को रिजर्वेशन खोला। इसे अपनी आधिकारिक वेबसाइट ओला इलेक्ट्रिक डोट कोम के माध्यम से 499 रुपये में बुक किया जा सकता है। ओला के चेयरमैन और ग्रुप सीईओ भाविश अग्रवाल ने एक बयान में कहा, हमारे पहले इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पूरे भारत में ग्राहकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया से मैं खूश हूं। आगे भी मांग उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ईवीएस में स्थानांतरित करने का एक स्पष्ट संकेतक है। दुनिया को स्थायी गतिशीलता में बदलने के हमारे मिशन में यह एक बड़ा कदम है। मैं उन सभी उपभोक्ताओं को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने ओला स्कूटर बुक किया है और ईवी क्रांति में शामिल हो गए हैं। यह केवल शुरूआत है! कंपनी ने कहा कि वह उन ग्राहकों की अभूतपूर्व मांग देख रही है जो रिकॉर्ड संख्या में स्कूटर बुक करने के लिए वेबसाइट पर आना जारी रहा है। ओला स्कूटर को ओला इलेक्ट्रिक का एक क्रांतिकारी उत्पाद कहा जाता है, जिसमें क्लास-अग्रणी गति, अभूतपूर्व रेंज, सबसे बड़ा बूट स्पेस और साथ ही उन्नत तकनीक है जो इसे सबसे अच्छा स्कूटर ग्राहक खरीद सकते हैं। कंपनी ने कहा कि इसे व्यापक रूप से सुलभ बनाने के लिए इसकी कीमत आक्रामक तरीके से तय की जाएगी और इसे दुनिया के लिए मेड-इन-इंडिया बनाया जाएगा, जिसका निर्माण कंपनी के अत्याधुनिक फ्यूचरफैक्ट्री में किया जाएगा। ओला फ्यूचरफैक्ट्री का पहला फैज पूरा होने वाला है और जल्द ही इसे चालू कर दिया जाएगा, जबकि प्रति वर्ष 10 मिलियन वाहनों की पूरी क्षमता अगले साल तक बनाई जाएगी।

व्यापक स्तर पर सुधारों से भारत निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य: सीतारमण

नई दिल्ली:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को अमेरिका की शीर्ष कंपनियों के प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में व्यापक स्तर पर सुधारों से देश, विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है। उन्होंने हाल में घोषित प्रोत्साहन उपायों के साथ कोविड महामारी के दौरान उठाए गए राहत उपायों और सुधार कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सोच-विचार कर उठाए गए राहत और बचाव कार्यों तथा टीकाकरण अभियान में तेजी के साथ संक्रमण में तेजी से कमी आई। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद के गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका ने 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का महत्वकांक्षी लक्ष्य रखा है। बैठक में जनरल इलेक्ट्रिक, बैक्सटर हेल्थकेयर यूएसए, ब्रैम्बल्स, मार्श एंड मैकलेनन, पेप्सिको जैसी प्रमुख विदेशी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने हाल के महीनों में लगातार वृहत आर्थिक स्थिरता और आर्थिक पुनरूद्धार में मजबूती, बुनियादी ढांचा पर जोर के साथ आर्थिक वृद्धि और निवेशकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों का उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में गतिशील वित्तीय बाजार है और बुनियादी ढांचा क्षेत्र तथा अनुसंधान एवं विकास में निवेश में काफी अवसर हैं। उन्होंने कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान भारत के लिए संसाधन जुटाने के लिए वैश्विक कार्यबल बनाने को लेकर शीर्ष-40 अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के प्रयासों की सराहना की। गोलमेज बैठक में आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने नीति और कराधान के क्षेत्रों में भारत की प्रगति का जिक्र किया।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत बढ़कर 7,922 करोड़ रुपए पर

मुंबई:

निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का 2021-22 की पहली जून में समाप्त तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 14.36 प्रतिशत बढ़कर 7.922.09 करोड़ रुपए पहुंच गया बैंक को एक साल पहले अप्रैल-जून तिमाही में 6,927.24 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। हालांकि, पिछली मार्च तिमाही की तुलना में जून में समाप्त हुई तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ कम हो गया। जनवरी-मार्च तिमाही में यह 8,433.78 करोड़ रुपए था। जून में समाप्त हुई तिमाही में बैंक का एकल शुद्ध लाभ 7,729.64 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 6,658.62 करोड़ रुपए था, जबकि मार्च, 2021 में समाप्त तिमाही में यह 8,186.51 करोड़ रुपए था। अप्रैल-जून की तिमाही में बैंक की कुल आय एक साल पहले के 34,453 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 36,771 करोड़ रुपए हो गई। इस साल 30 जून, 2021 समाप्त हुई तिमाही में बैंक का सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) अनुपात बढ़कर 1.47 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1.36 प्रतिशत और मार्च तिमाही में 1.32 प्रतिशत था।

ज्यूरिख एयरपोर्ट का नोएडा हवाईअड्डे के विकास के लिए एनआईएएल के साथ करार

नई दिल्ली: ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास के लिए लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार की इकाई एनआईएएल के साथ एक शेयरधारक समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल के एक बयान के मुताबिक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण वीर सिंह और यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। वाईआईएपीएल ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली अनुषंगी है और इसका गठन जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को विकसित करने के लिए किया गया है, जो दिल्ली के मुख्य क्षेत्र से लगभग 70 किमी दूर है। समझौते के अनुसार, एनआईएएल के पास वाईआईएपीएल में एक गोल्डन शेयर (कम से कम 51 प्रतिशत मतदान अधिकार) और बोर्ड में दो निदेशकों को नामित करने का अधिकार होगा। शेयरधारक समझौता उत्तर प्रदेश सरकार के हवाई अड्डे तक पहुंच स्थापित करने, हवाई अड्डे के संचालन के लिए सुविधाओं (पानी, बिजली, अपशिष्ट जल) की स्थापना एवं विस्तार, हवाई अड्डे पर निगरानी सहित कानून और व्यवस्था बनाए रखना तथा हवाई अड्डे के निर्माण एवं संचालन के लिए जरूरी मंजूरी से जुड़ी मदद को भी रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री आदित्यनाश ने कहा, शेयरधारक समझौता राज्य में प्रगति की दिशा में उठाया गया अगला कदम है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा भारत में एक आधुनिक, विश्वस्तर के हवाई अड्डे के लिए मापदंड होगा।

मोबाइल कंप्यूटिंग की सेल डबल डिजीट में 2021 में दो अंकों में बढ़ेगी : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

सामने आई एक नई रिपोर्ट के अनुसार,मोबाइल कंप्यूटिंग डिवाइसों की मांग में तेजी बनी हुई है और 2021 में मोबाइल कंप्यूटिंग राजस्व के डबल अंकों में बढ़ने की संभावना है। संयुक्त टैबलेट और नोटबुक पीसी राजस्व 2020 में सेल दर 25 प्रतिशत बढ़ा और 2021 में 17 प्रतिशत बढ़ा है । वैश्विक बाजार अनुसंधान फर्म स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, कई सालों से शिपमेंट और राजस्व में गिरावट के बाद मोबाइल कंप्यूटिंग बाजार पूरी तरह से ठीक हो गया है। क्योंकि कोविड -19 महामारी के प्रभाव के साथ अल्पकालिक मांग का एक नया स्तर लाया है। वर्क-फ्रॉम-होम, वर्चुअल लर्निंग विकल्प और हाइब्रिड वर्क शेड्यूल पहले की तुलना में अधिक बढ़ी हैं, और 2026 में मोबाइल कंप्यूटिंग डिवाइस शिपमेंट को 458 मिलियन यूनिट तक बढ़ाने की संभावना है। कनेक्टेड कंप्यूटिंग के निदेशक एरिक स्मिथ ने कहा, स्मार्टफोन दैनिक जीवन के लिए बड़े और अधिक आवश्यक हो गए हैं, लेकिन हमें पता चला कि वास्तविक उत्पादकता अभी भी नोटबुक और डिटैचेबल्स पर होती है। उन्होंने कहा, व्यावसायिक ग्राहक उत्पादकता उपकरणों की मांग का एक स्थिर स्तर प्रदान करते हैं। और तेजी से, मोबाइल स्थायी डेस्कटॉप से बेहतर होते जा रहे हैं, जबकि यूजर्स घर में सभी को उत्पादक बनाए रखने के लिए हर घर में कई डिवाइस रखते हैं। उडश्कऊ के बाद आने वाले समय मे अत्यधिक जरुरी को जाएगा। क्योंकि कई कर्मचारी दूर रह कर भी कार्य अच्छे से कर रहे हैं। और अधिक लचीले कार्य वातावरण की मांग कर रहे हैं, जो मोबाइल कंप्यूटिंग डिवाइस की मांग को अपेक्षाकृत स्थिर रखेगा। हालांकि, रिपोर्ट में अनुमान है,कि वैश्विक स्तर पर कुल घरों के 39 प्रतिशत तक पहुंचने के लिए पूर्वानुमान अवधि में घरेलू स्वामित्व बढ़ता रहेगा और विंडोज 11 / पोस्ट-महामारी ताजा चक्र 2025 में 197 बिलियन डॉलर से 241 बिलियन डॉलर के राजस्व में बाजार को नए उच्च स्तर पर ले जाएगा। उद्योग जगत के चिराग उपाध्याय ने कहा, कोविड -19 संक्रमण की लहर हर साल बड़े बाजारों और उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावित करती रहेगी, जिसके परिणामस्वरूप निरंतर उच्च मांग होगी, हालांकि यह जोखिम है कि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान समय-समय पर 2023 की समय सीमा तक सामने आएगा।

खरीफ की बुआई में कमी ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली:

मॉनसून की वापसी के बावजूद खरीफ की फसलों की बुआई में पिछले साल की तुलना में कमी जारी है। इसकी वजह से फसल के अंतिम उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ रही है, क्योंकि अगर बुआई में कोई असाधारण देरी होती है तो इससे उत्पादकता पर असर पड़ता है। खरीफ की फसलों, खासकर अगर तिलहन और दलहन का उत्पादन अगर कम होता है तो इसका विपरीत असर पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि दलहन और तिलहन की कीमतें पहले से ही ज्यादा हैं और इससे अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। पिछले सप्ताह तक (9 जुलाई) खरीफ की फसल की बुआई पिछले साल की तुलना में 10.45 प्रतिशत कम थी, जो इस सप्ताह के अंत तक (16 जुलाई) और बुरी होकर 11.6 प्रतिशत कम हो गई है। सबसे अहम बात यह है कि खरीफ फसलों के तहत आने वाला रकबा सामान्य बुआई के रकबे (यह पिछले 5 साल के बुआई के रकबे का औसत होता है) से नीचे आ गया है। 16 जुलाई, 2021 तक बुआई के सामान्य रकबे की तुलना में बुआई करीब 4 प्रतिशत कम थी। प्रमुख फसलों में उड़द का रकबा पिछले साल से करीब 23.30 प्रतिशत कम है, जबकि मूंग का 21 प्रतिशत कम है। वहीं बाजारे का रकबा पिछले साल से 39.85 प्रतिशत, मूंगफली का रकबा 18.16 प्रतिशत कम है। सोयाबीन की बुआई का क्षेत्रफल 16 जुलाई तक पिछले साल की तुलना में 11.92 प्रतिशत कम है। कपास का पौधरोपण 16 जुलाई तक पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 16.94 प्रतिशत कम रहा है। सोयाबीन प्रॉसेसर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (सोपा) ने कहा, 'कुछ इलाकों में नमी को लेकर चिंता है। मध्य प्रदेश व और राजस्थान में खासकर समस्या है, जहां अगेती बुआई होती है। अगर जल्द बारिश नहीं होती है तो इसकी वजह से उत्पादकता पर असर पड़ सकता है।' सोपा ने कहा कि देश के सबसे बड़े सोयाबीन उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश में सोयाबीन का रकबा 2020 की तुलना में 10 प्रतिशत घटने की उम्मीद है क्योंकि किसानों ने अन्य फसलें जैसे काला चना, मक्का और मूंग अपना लिया है। क्रिसिल रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा है कि सोयाबीन, कपास और मक्के की फसलों की बुआई में बदलाव हो सकता है, अगर अनुमान के मुताबिक मॉनसून वापसी करने में सफल नहीं होता। क्रिसिल ने कहा, 'इसलिए मॉनसून की चाल पर नजदीकी से नजर रखने की जरूरत है, जिससे आने वाले महीनों में खरीफ की फसलों पर असर को समझा जा सके।' इसमें कहा गया है कि 23 जून और 12 जुलाई के दौरान बारिश दीर्घावधि औसत की तुलना में 32 प्रतिशत कम हुई है और पूर्वोत्तर इलाकों में सबसे ज्यादा 55 प्रतिशत कम बारिश हुई है। क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, 23 जून से 12 जुलाई के बीच राजस्थान में बारिश 58 प्रतिशत कम हुई है और अगर अगले 10 दिन में रिकवरी नहीं होती है तो इससे कम बारिश वाले प्रमुख इलाकों में सोयाबीन की जगह मक्के की बुआई हो सकती है। इस अवधि के दौरान मध्य भारत में 39 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि गुजरात में 67 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

कोविड-19 की दूसरी लहर में शहरी पुरुषों ने महिलाओं की तुलना में अधिक नौकरियां खोई: सीएमआईई

मुंबई:

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान शहरी पुरुषों ने महिलाओं की तुलना में अधिक नौकरियां खोयीं। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक और सीईओ महेश व्यास ने अपने विश्लेषण में कहा कि कोविड-19 की पहली लहर के कारण नौकरियों का सबसे अधिक नुकसान शहरी महिलाओं में हुआ था। उन्होंने कहा कि शहरी महिलाएं कुल रोजगार का लगभग तीन प्रतिशत हिस्सा हैं लेकिन महामारी की पहली लहर में कुल नौकरी का 39 प्रतिशत नुकसान महिलाओं को हुआ। व्यास ने कहा कि 63 लाख नौकरियों के नुकसान में से, शहरी महिलाओं को 24 लाख का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि हालांकि, दूसरी लहर के दौरान, शहरी महिलाओं को नौकरियों का सबसे कम नुकसान हुआ। अप्रैल-जून 2021 के दौरान नौकरी छूटने का बोझ पुरुषों पर आ गया है जिसमें शहरी पुरुषों के बीच नौकरियों का कहीं अधिक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ÷शहरी पुरुष भारत में कुल रोजगार का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा हैं। मार्च 2021 तक उन्हें नौकरियों के नुकसान कम यानी 26 प्रतिशत था लेकिन जून 2021 को समाप्त तिमाही में कुल नौकरी के नुकसान में उनकी हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक थी।÷ उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अपनी नौकरी वापस मिल गई या उन्हें वैकल्पिक नौकरी मिली, उन्हें कम मजदूरी दरों पर काम मिला और घरेलू आय में रोजगार की तुलना में बहुत अधिक गिरावट आई है।

नारेडको ने अटकी पड़ी रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए एक बारगी कर्ज पुनर्गठन की मांग की

नई दिल्ली:

नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) ने महामारी से प्रभावित जमीन-जायदाद के विकास से जुड़े क्षेत्र को नकदी संकट से बचाने के लिए सरकार से कर्ज के एक बारगी पुनर्गठन और अटकी पड़ी परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण की मांग की है। नारेडको- उत्तर प्रदेश के चेयरमैन आर के अरोड़ा की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने इस संदर्भ में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। रियल एस्टेट के विकास के लिए काम करने वाले निकाय ने ऋण शोधन अक्षमता कानून के कुछ प्रावधानों को एक साल के लिए और लागू नहीं करने की भी मांग की। नारेडको ने एक बयान में कहा कि उसने महामारी और लंबे समय तक लॉकडाउन के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए सरकार से रियल एस्टेट क्षेत्र की विभिन्न अपेक्षाओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। अरोड़ा ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री को कोविड-19 महामारी के कारण रियल एस्टेट क्षेत्र में नकदी संकट की गंभीर स्थिति के बारे में बताया। बयान के अनुसार, ''सभी रियल एस्टेट परियोजनाएं धाराशायी होने की कगार पर हैं और उद्योग को सरकार से समर्थन नहीं मिला तो परियोजनाओं का क्रियान्वयन ठप हो जाएगा।%% नारेडको ने वित्त मंत्री से आग्रह किया कि वे भारतीय रिजर्व बैंक को बैंकों, वित्तीय संस्थानों द्वारा दिए गए परियोजना ऋण के एक बारगी पुनर्गठन को लागू करने का निर्देश दे। अरोड़ा ने कहा कि अटकी परियोजनाओं के लिये वित्त पोषण की जरूरत पर भी प्रतिनिधिमंडल ने चर्चा की। ऐसी 4,000 परियोजनाएं हैं, जिन्हें वित्त पोषण की जरूरत है।

योनो के नए संस्करण को शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है एसबीआई: चेयरमैन

मुंबई:

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपने डिजिटल ऋण देने वाले मंच योनो (कई सुविधाओं के लिए एक एप) के अगले संस्करण को शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उद्योग निकाय आईएमसी द्वारा आयोजित एक बैंकिंग कार्यक्रम के दौरान खारा ने कहा कि जब बैंक ने योनो की शुरुआत की थी, तब इसे खुदरा खंड के उत्पादों के वितरण-मंच के रूप में लिया जाता था। उन्होंने कहा, ''एसबीआई अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए योनो की क्षमता का इस्तेमाल कर सकता है। विशेष कर जहां हमारे पास खुदरा परिचालन है। हम योनो का इस्तेमाल व्यापार के लिए भी कर सकते हैं।'' एसबीआई चेयरमैन ने कहा, ''अब हम इस पर विचार कर रहे है कि इन सब सुविधाओं को योनो के अगले संस्करण पर एक साथ कैसे लाया जाए। यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम कर रहे हैं और जल्द ही इसके और सुविधाओं के साथ सामने आएंगे।''

बैंक की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2021 तक योनो को करीब 7.96 करोड़ लोगों ने डाउनलोड किया हैं और 3.71 करोड़ ने पंजीकरण भी किया हैं।

अमेजन-फ्यूचर मामले में सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र की सुनवाई पूरी

बिजनेस डेस्क:

सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) ने शुक्रवार को फ्यूचर समूह और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच 24,713 करोड़ रुपए के सौदे के खिलाफ ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन द्वारा दायर याचिका पर अंतिम सुनवाई पूरी की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एसआईएसी ने इस मामले में अपनी अंतिम सुनवाई 12 जुलाई को शुरू की थी। इस मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार एसआईएसी में गठित न्यायाधिकरण ने इस मामले में अपनी पांच दिन चली अंतिम सुनवाई का समापन कर दिया है। किशोर बियानी के नेतृत्व वाले फ्यूचर समूह का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने किया। अमेजन की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने कंपनी का पक्ष रखा। सूत्रों ने बताया कि इस मामले एक महीने बाद फैसला सुनाया जा सकता है। इससे पहले इसी साल के शुरू में इस मामले पर अंतिम सुनवाई के लिए एसआईएसी ने तीन सदस्यीय मध्यस्था मंच का गठन गिया था जिसमें सिंगापुर के बैरिस्टर माइकल हवांग, अलबर्ट वान डेन बर्ग ओर जान पाउलसन को रखा गया है। यह विवाद अगस्त 2020 में फ्यूचर समूह द्वारा करीब 24,000 करोड़ रुपये में अपने खुदरा, भंडारण और लॉजिस्टिक कारोबार को रिलायंस इंडस्ट्रीज को बेचने के समझौते की घोषणा के साथ शुरू हुआ था। फ्यूचर समूह की कंपनी फ्यूचर कूपन्स लिमिटेड में निवेश करने वाली ई-कामर्स कंपनी अमेजन ने कहा कि वह इस हिस्सेदारी के नाते फ्यूचर रिटेल की भी हिस्सेदार है। फ्यूचर कूपन्स की फ्यूचर रिटेल में 7.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है।अमेजन ने इस सदौने को एसआईएसी में अक्टूबर में चुनौती दी। उसकी अर्जी पर मध्यस्था अदालत ने रिलायंस-फ्यूचर सौदे पर अंतरिम रोक लगा दी। फ्यूचर समूह ने एसआईएसी के फोरम के अंतरिम निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय में मध्यस्था न्यायाधिकरण के अधिकार क्षेत्र और कुछ अन्य आधारों पर चुनौती दी थी। वहां से मामला उच्चतम न्यायालय तक चला गया है। उच्चतम न्यायालय में मामले की सुनवाई कर रही तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 20 जुलाई तय की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैरालंपिक खेलों के लिए हरविंद्र भारतीय तीरंदाजी टीम में शामिल

कैथल। हरविंद्र सिंह को पैरालंपिक की आर्चरी प्रतियोगिता के लिए पांच सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वह तीरंदाजी में जगह बनाने वाले हरियाणा के एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनके अलावा रिकर्व इवेंट में उत्तर प्रदेश के विवेक चिकारा, कंपाउंड इवेंट में जम्मु कश्मीर निवासी राकेश कुमार, राजस्थान निवासी श्याम सुंदर और उत्तरप्रदेश निवासी ज्योति का चयन हुआ है। हरविंद्र इस समय सोनीपत साई कैंप में पैरालंपिक की तैयारी कर रहे हैं। 17 जून को सोनीपत में पैरालंपिक के लिए ट्रायल हुए थे। इससे पहले 25 जनवरी को सोनीपत में दुबई में होने वाले विश्व रैंकिंग के लिए ट्रायल हुए थे। इसके लिए आठ खिलाड़ियों का चयन हुआ था। 21 से 27 फरवरी तक दुबई में हुई इस विश्व रैंकिंग प्रतियोगिता में हरविंद्र ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया था। कंपाउंड इवेंट में 50 मीटर और रिकर्व इवेंट में 70 मीटर पर निशाना लगाना होता है. हरविंद्र ने कहा कि उनका लक्ष्य है पैरालंपिक में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। इसके लिए वह सोनीपत शिविर में अभ्यास कर रहे हैं। प्रतियोगिता होने तक वे यहां रहेंगे और इस दौरान परिवार के किसी सदस्य से भी नहीं मिलेंगे। कोरोना के समय भी उन्होंने घर पर ही तीरंदाजी का अभ्यास किया था। हरविंद्र देश के पहले तीरंदाज हैं, जिन्होंने 2018 में इंडोनेशिया में हुई एशियन पैरा गेम्स में भारत के लिए रिकर्व इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया था।

टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लक्ष्य से श्रीलंका से भिड़ेंगे भारत के युवा जांबाज

कोलंबो।

भारतीय टीम में भले ही कई स्टार खिलाड़ी नहीं है लेकिन उसके युवा खिलाड़ी टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को बेताब हैं और ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों के छह मैचों की श्रृंखला रोमांचक होने की संभावना है जिसकी शुरुआत रविवार को पहले एकदिवसीय मैच से होगी। किसी भी अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत प्रमुख होती है लेकिन इस दौरे में भारत कुछ नए संयोजन आजमा सकता है। श्रीलंकाई टीम में कोविड-19 के कुछ मामले आने के बाद यह श्रृंखला पांच दिन देर से शुरू हो रही है। सीरीज में तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। दासुन शनाका पिछले चार वर्षों में टीम में 10वें कप्तान होंगे तथा धनंजय डिसिल्वा और तेज गेंदबाज दुशमंत चमीरा को छोड़कर कोई भी ऐसा खिलाड़ी नजर नहीं आता है जो शिखर धवन की अगुवाई वाली भारतीय टीम को कड़ी चुनौती दे सके। ब्रिटेन दौरे में जैव सुरक्षित वातावरण का उल्लंघन के कारण कुसाल मेंडिस और निरोशन डिकवेला के निलंबन और पूर्व कप्तान कुसाल परेरा के चोटिल होने से श्रीलंका कमजोर पड़ गया है। इंग्लैंड के खराब दौरे के बाद यदि उसकी टीम जीत दर्ज करती है तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय टीम में पृथ्वी शॉ, धवन, हार्दिक पंड्या और भुवनेश्वर कुमार की ही अंतिम एकादश में जगह पक्की लग रही है। अन्य स्थानों के लिये हालांकि एक से अधिक दावेदार हैं। नंबर तीन के लिये देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ दावेदार हैं। यह देखना होगा कि क्या सूर्यकुमार यादव की शॉट जमाने की काबिलियत पर भरोसा दिखाया जाता है कि मनीष पांडे को निरंतरता दिखाने के लिए मौका दिया जाता है। ऑफ स्पिन विभाग में कृष्णप्पा गौतम हैं और देखना होगा कि क्या उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पंड्या पर प्राथमिकता मिलती है। राहुल चहर और युजवेंद्र चहल के बीच भी लेग स्पिनर के स्थान के लिये मुकाबला है। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी मौके की तलाश में हैं। विकेटकीपर के लिये भी इशान किशन और संजू सैमसन दावेदार हैं। स्वाभाविक है कि ऐसे में टीम प्रबंधन को अगले 11 दिन तक इस तरह के कई सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। विराट कोहली की अगुवाई में टीम इंग्लैंड में अपने टेस्ट रिकार्ड में सुधार करने को प्रतिबद्ध है तो धवन की कप्तानी और राहुल द्रविड़ की कोचिंग वाली टीम सीनियर टीम के लिए विकल्प तैयार करना चाहती है।

भारतीय निशानेबाज नहीं होंगे क्वारंटीन, जल्द शुरू करेंगे प्रैक्टिस

नई दिल्ली ।

भारतीय निशानेबाजों को ओलंपिक खेलों से पहले पृथकवास पर रहने की आवश्यकता नहीं है और वे 19 जुलाई से अभ्यास शुरू कर देंगे। भारतीय निशानेबाजी दल शनिवार को तड़के खेल गांव पहुंचा जहां उन्हें उनके कमरे सौंप दिए गए। निशानेबाजी की स्पर्धाएं असाका शूटिंग रेंज पर होगी जो कि उत्तर पश्चिम तोक्यो में सैइतामा में स्थित है। इसी स्थल पर 1964 ओलंपिक में भी निशानेबाजी प्रतियोगिता हुई थी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के सचिव राजीव भाटिया ने कहा कि उन्हें खेल गांव में कमरे आवंटित कर दिये गये हैं और वे 19 जुलाई से अभ्यास शुरू करेंगे। उन्हें पृथकवास या अलग थलग रहने की जरूरत नहीं है क्योंकि वे क्रोएशिया से वहां पहुंचे हैं। नारिता हवाई अड्डे पर सहजता से सभी औपचारिकताएं पूरी की गयी और निशानेबाजी दल को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। खिलाड़ी सोमवार को शूटिंग रेंज का दौरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यूरोप से लंबी उड़ान के बाद वे थके हैं। वे पर्याप्त विश्राम करने के बाद ही अभ्यास शुरू करेंगे। ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होकर 8 अगस्त को समाप्त होंगे। निशानेबाजी की स्पर्धाएं उदघाटन समारोह के अगले दिन से शुरू हो जाएंगी और 10 दिन तक चलेंगी। भारत के अन्य खेलों के खिलाड़ी स्वदेश से जा रहे हैं और उन्हें तोक्यो पहुंचने पर तीन दिन तक पृथकवास पर रहना होगा।

वजन घटाकर स्लिम हुए धोनी

रांची।

आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आजकल नये रुप में नजर आ रहें हैं। आईपीएल का बचा हुआ सत्र युएई में होने से पहले धोनी ने अपना वजन घटा लिया है। इससे वह काफी स्लिम दिख रहे हैं। धोनी का यह नया लुक सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। 40 की उम्र में भी अपनी फिटनेस से वह युवा खिलाड़ियों को भी टक्कर दे रहे हैं। धोनी हमेशा से विकेटों के बीच तेज दौड़ लगाने वाले और विकेटकीपर रहे हैं।धोनी के दोस्तों और फैन्स ने उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जो वायरल हुई हैं। आईपीएल रद्द होने के बाद धोनी ने ज्यादातर समय अपने फार्म हाउस में ही बिताया है। धोनी ने कप्तान के तौर पर 332 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जोकि एक विश्व रिकॉर्ड है।

सेंट लुसिया टी-20 : विंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर 4-1 से जीती सीरीज

लुसिया।

एविन लुइस (79) की शानदार पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने यहां डेरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पांचवें और अंतिम टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 16 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीत ली है। विंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लुइस के 34 गेंदों पर चार चौकों और नौ छक्कों की मदद से 79 रन के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 199 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 183 रन ही बना सकी। विंडीज की तरफ से शेल्डन कॉट्रेल और आंद्रे रसेल ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि हेडन वाल्श को एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान आरोन फिंच ने 34, मिशेल मार्श ने 30, मैथ्यू वेड ने 26, मोएसिस हेनरिक्स ने 21और एंड्रयू टाई ने 15 रन बनाए, जबकि मिशेल स्वीपसन 14 और जोश हेजलवुड 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले, विंडीज की पारी में लुइस के अलावा निकोलस पूरन ने 31, क्रिस गेल ने 21, लेंडल सिमंस ने 21 और आंद्रे फ्लेचर ने 12 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टाई ने तीन विकेट लिए जबकि एडम जम्पा और मार्श को दो-दो विकेट तथा स्वीपसन को एक विकेट मिला।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट पर सीमित ओवर के क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देता : भुवनेश्वर

कोलंबो। भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट के बदले सीमित ओवर के क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देते हैं और जिस प्रारूप में उन्हें खेलने के लिए कहा जाएगा वह उसके लिए तैयार हैं। श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम के उपकप्तान बनाए गए भुवनेश्वर ने कहा, ÷ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए प्राथमिकता बोलकर कुछ नहीं है, चाहे लाल गेंद हो या सफेद। अगर मुझे टेस्ट क्रिकेट के लिए चुना जाता है तो मैं इसमें योगदान देने की कोशिश करूंगा। मैं टेस्ट क्रिकेट के ऊपर सीमित ओवरों के क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देता हूं। सभी प्रारूपों में खेलने के लिए सामान्य रूप से काम करता हूं। उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी भी प्रारूप में खेलने का मौका मिलता है तो मैं इसमें योगदान देने की कोशिश करूंगा। मैंने खुद को तीनों प्रारूप में खेलने के लिए तैयार किया है। 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने जनवरी 2018 के बाद से टेस्ट नहीं खेला है। वह आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेले थे। भुवनेश्वर ने कहा, मैं अपने करियर से संतुष्ट हूं। चोट लगती रहती है और उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। मैं चोट से जल्द से जल्द उबरकर ग्राउंड में वापसी करने की कोशिश करता हूं। मैं जो भी योगदान दे सकता हूं, भविष्य में भी देना चाहता हूं। भुवनेश्वर ने भारत के लिए अबतक 117 वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं और वह टीम के अनुभवी गेंदबाज हैं।

फिंच की चोट से ऑस्ट्रेलिया असमंजस में

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)। ऑस्ट्रेलिया 21 जुलाई से बारबाडोस में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए अपने कप्तान आरोन फिंच की उपलब्धता को लेकर असमंजस में है। शनिवार को अंतिम टी20 में क्षेत्ररक्षण करते समय फिंच के दाहिने घुटने में चोट लग गई। 34 वर्षीय को कुछ समय के लिए मैदान छोड़ना पड़ा। फिंच 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए असहज महसूस कर रहे थे, खासकर जब ओवरथ्रो पर विकेटों के बीच दौड़ते हुए। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम टी20 16 रन से गंवा दिया और सीरीज 1-4 से हार गई। टी20 में ऑस्ट्रेलिया के उप-कप्तान मैथ्यू वेड ने कहा, एकदिवसीय मैचों में मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा। मैं शायद खेलने की उम्मीद नहीं कर रहा हूं, खासकर अगर फिंच खेलते हैं लेकिन अगर वह नहीं खेले तो मेरे लिए खेलने का मौका हो सकता है। वेड, जिन्होंने आखिरी बार सितंबर 2017 में एकदिवसीय मैच खेला था, ने पिछले साल भारत के खिलाफ सिडनी टी20 में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। उस मैच में फिंच अनुपस्थित थे। पैट कमिंस नामित वनडे उप-कप्तान हैं। लेकिन उनके और कई नियमित खिलाड़ियों उपलब्ध नहीं होने के कारण, यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर फिंच नहीं खेल रहे हैं तो कौन टीम की कप्तानी करेगा।

एक साल से भी अधिक समय के बाद फिर शुरू होंगे घरेलू बॉक्सिंग टूर्नामेंट

नई दिल्ली।

यूथ और जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के माध्यम से देश में मुक्केबाजी स्पर्धाओं की फिर से शुरूआत होगी। कोरोना महामारी के कारण एक साल से भी अधिक समय तक तक स्थगित रहने के बाद घरेलू आयोजन जोरदार वापसी करेंगे।युवा पुरुष और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का चौथा संस्करण 18 से 23 जुलाई तक होगा, जिसके बाद जूनियर बॉयज नेशनल चैंपियनशिप का तीसरा संस्करण और जूनियर गर्ल्स नेशनल चैंपियनशिप का चौथा संस्करण होगा। इन दोनों टूर्नामेंट्स का आयोजन 26 से 31 जुलाई के बीच होना है। टूर्नामेंट्स सोनीपत के दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में आयोजित किए जाएंगे और इस दौरान सभी कोविड -19 सुरक्षा प्रोटोकॉल्स का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, महामारी के कारण एक साल से अधिक समय से घरेलू टूर्नामेंटों की अनुपस्थिति के साथ हमारे खिलाड़ियों के लिए यह बहुत कठिन समय रहा है। हालांकि, स्थिति में सुधार हुआ है और इससे हमें खेल को फिर से शुरू करने का विश्वास मिला है। हमें लगा कि जूनियर और युवा नेशनल्स के साथ शुरूआत करना अच्छा होगा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भी फिर से शुरू हो रहे हैं और इससे हमारे मुक्केबाजों को देश का प्रतिनिधित्व करने और फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा। इन नेशनल टूर्नामेंट्स को चयन टूर्नामेंट के रूप में मान्यता दी गई है और इनके माध्यम से विजेताओं का चयन आगामी एएसबीसी यूथ एंड जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट का आयोजन 17 से 31 अगस्त तक दुबई में होने वाला है। आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए लद्दाख, और सर्विसेज खेल नियंत्रण बोर्ड सहित 34 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की टीमों की भागीदारी की उम्मीद है। युवा टूर्नामेंट में 300 से अधिक पुरुष और 200 से अधिक महिला मुक्केबाजों की उपस्थिति की उम्मीद है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल की प्रो वाइस चेयरमैन रंजू मान ने कहा, मुक्केबाजी देश के सबसे तेजी से उभरते और शीर्ष खेलों में से एक है और हम युवा और जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बीएफआई के साथ जुड़कर खुश हैं। डीपीएस सोनीपत खेल गतिविधियों का केंद्र रहा है और हाल ही में इसने टेबल टेनिस के लिए ओलंपिक शिविर की मेजबानी की है।

बैडमिंटन का पैरालंपिक में डेब्यू, नोएडा डीएम सहित भारत भेजेगा 7 खिलाड़ी

नई दिल्ली। पैरा बैडमिंटन अगले महीने टोक्यो में होने वाले पैरालंपिक खेलों में पदार्पण करने के लिए तैयार है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) द्वारा शुक्रवार को दो द्विदलीय कोटा दिए जाने के बाद भारत एक मजबूत सात सदस्यीय टीम भेजेगा। गौतमबुद्धनगर जिले के जिलाधिकारी पैरा शटलर सुहास एल. यतिराज को पुरुष एकल एसएल4 में कोटा दिया गया है, जबकि मनोज सरकार ने पुरुष एकल एसएल3 में जगह बनाई है, और वह विश्व नंबर-1 प्रमोद भगत के नेतृत्व वाली टीम में शामिल होंगे। दो पैरा शटलरों के जुड़ने से दो पुरुष एकल श्रेणियों में भारत की पदक संभावना को भी बढ़ावा मिला है। भारत के पास पहले से ही पुरुष एकल एसएल3 में भगत और पुरुष एकल एसएल4 इवेंट में तरुण ढिल्लों हैं। मुख्य राष्ट्रीय कोच गौरव खन्ना ने कहा, ÷टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में मजबूत उपस्थिति होना अद्भुत है। भारतीय पैरा शटलर एशियाई पैरा खेलों और विश्व चैंपियनशिप सहित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अब यह पैरालिंपिक में शो का नेतृत्व करने का समय है। पुरुषों की एसएल श्रेणी और पुरुषों की एसएल4 श्रेणी में दो-दो शटलर का होना बहुत अच्छा है जो हमारे पदक की संभावना को बढ़ाता है। हम दोनों वर्ग में स्वर्ण और रजत चाहते हैं। उत्साहित यतिराज, जो उत्तर प्रदेश के नोएडा के जिलाधिकारी हैं, टोक्यो 2020 में पदक जीतने के प्रति आश्वस्त हैं। 2018 एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक विजेता यतिराज ने कहा, नोएडा का डीएम होने के नाते, महामारी के दौरान यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय था। लेकिन मैंने कभी भी अपने प्रशिक्षण को नहीं छोड़ा और अपना सारा ध्यान और समय उसी में लगा दिया। मैं टोक्यो 2020 में पदक जीतने के लिए बहुत आश्वस्त हूं, इस बीच, सरकार ने कहा कि पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई करना एक सपने के सच होने जैसा है, खासकर जब खेल अपनी शुरूआत कर रहा है। भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष डॉ. दीपा मलिक दो द्विदलीय स्लॉट पर प्रसन्न हैं। दीपा ने कहा, हम नवीनतम विकास से बहुत खुश हैं। हमारे पैरा शटलर पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। और सुहास एल यतिराज और मनोज सरकार को शामिल करने से हमारे पदक के मौके बढ़ गए हैं। मैं उन्हें पूरी टीम के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

ओलंपिक गांव में एक व्यक्ति की रिपोर्ट आई कोरोना पॉजिटिव

टोक्यो । ओलंपिक गांव में एक व्यक्ति का कोविड-19 के लिए किया गया परीक्षण पॉजिटिव आया है। टोक्यो ओलंपिक के आयोजकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि जिस व्यक्ति का परीक्षण पॉजिटिव आया है वह खिलाड़ी नहीं है। ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे और उससे एक सप्ताह पहले ही खेल गांव को खोला गया। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो सहित अन्य अधिकारियों ने भी मामले की पुष्टि की और बताया कि पॉजिटिव मामला शुक्रवार को आया। आयोजन समिति के सीईओ तोशिरो मुतो ने कहा कि यदि मौजूदा हालात में परीक्षण पॉजिटिव आते हैं तो यह मानना चाहिए कि यह संभव है। इस व्यक्ति की पहचान 'खेलों से संबंधित व्यक्ति' के रूप में की गई। उसे जापान के अनिवासी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। तोक्यो अधिकारियों ने कहा कि उसे 14 दिन के पृथकवास पर भेज दिया गया है।

सिंधू का रक्षण मजबूत हुआ है: पार्क

नई दिल्ली।

भारतीय बैडमिंटन टीम के विदेशी कोच पार्क ताइ सैंग ने कहा कि पी वी सिंधू के इस साल के खराब प्रदर्शन का कारण उनका कमजोर रक्षण रहा है तथा कोविड के कारण मिले विश्राम के दिनों में उन्हें टोक्यो ओलंपिक से पहले अपनी इस कमजोरी को दूर करने में मदद मिली। इस 42 वर्षीय कोच को 2019 में पुरुष टीम के लिए नियुक्त किया गया था लेकिन दो साल पहले बासेल विश्व चैंपियनशिप के बाद कोरियाई कोच किम जी ह्यून के जाने के बाद वह सिंधू के साथ भी काम कर रहे हैं। पार्क ने कहा कि सिंधू का रक्षण उनके आक्रमण की तुलना में कमजोर है। इसलिए मैं ओलंपिक से पहले उनके रक्षण पर ध्यान दे रहा हूं। पिछले साल जब ओलंपिक स्थगित किये गये तो मुझे लगा कि यह उसके गति कौशल और नेट प्रशिक्षण पर काम करने का मौका है। अकीनी यामागुची, ताइ जु यिंग जैसी शीर्ष खिलाड़ी जानती हैं कि सिंधू का आक्रमण मजबूत है और इसलिए वे उसके शक्तिशाली स्मैश का इंतजार करते हैं। पार्क ने कहा कि इसलिए हमने उनके रक्षण पर काम करने का प्रयास किया जो कि उनकी कमजोरी है। इसके लिये कोर्ट के पिछले हिस्से में उनके खेल में कुछ बदलाव करने थे जैसे कि अधिक ड्राप शॉट या हॉफ स्मैश खेलना। सिंधू को कोविड-19 के कारण मिले अवकाश से वापसी के बाद खास सफलता नहीं मिली। वह थाईलैंड में पहली दो सुपर 1000 प्रतियोगिताओं में क्रमशः पहले दौर और क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। वह विश्व टूर फाइनल्स के भी नॉकआउट में नहीं पहुंच पायी थी। इसके बाद भी उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा। पार्क ने कहा कि मैं जानता हूं कि जब वह थाईलैंड ओपन में हारी तो बहुत लोगों को लग रहा था कि उसकी शारीरिक क्षमता सही नहीं है लेकिन ऐसा नहीं था। वह स्विस ओपन के फाइनल में पहुंची, ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंची। फिटनेस कोई समस्या नहीं थी। एकमात्र समस्या उनके रक्षण को लेकर थी लेकिन अब उन्होंने इस विभाग में भी काफी सुधार कर दिया है। कारोलिना मारिन के चोट के कारण हटने के बाद पार्क को लगता है कि ताइ जु ओलंपिक में सिंधू की सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी होगी। उन्होंने कहा कि ताइ जु खेलों में सिंधू की नंबर एक प्रतिद्वंद्वी होगी। उनका रतचानोक इंतानोन के खिलाफ भी अच्छा रिकार्ड नहीं है। ये दोनों अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट पर दौड़ाती हैं। वे तकनीकी तौर पर मजबूत हैं।

श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज जीत सकती है टीम इंडिया : मुरलीधरन

कोलंबो । श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि टीम इंडिया के पास एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज जीतने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, ' सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ टेस्ट की जगह एकदिवीसय और टी20 के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे जिस तरह से खेलते हैं, सहवाग की याद दिलाते हैं।' उन्होंने कहा कि वे बहुत जोखिम उठाते हैं और गेंदबाजों पर दबाव बनाते हैं। यदि वे स्कोर बनाने में सफल रहे तो टीम इंडिया के पास जीतने का अच्छा मौका होगा, क्योंकि वे जल्दी बड़ा स्कोर बनाते हैं। मुरलीधरन ने कहा, 'पृथ्वी के पास प्रतिभा है और वह निडर है। उसे आउट होने का कोई डर नहीं है। टीम इंडिया को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि आपको मैच जीतने के लिए खिलाड़ियों की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि वह बहुत खतरनाक हो सकता है जबकि धवन आराम से बल्लेबाजी करेगा। उसे मैंने आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते देखा है। मुरलीधरन ने आगे कहा कि यदि धवन विकेट पर रहते हैं तो पृथ्वी शॉ गेंदबाजों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और इससे टीम इंडिया को फायदा मिलेगा। भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 18 जुलाई को होगा। दूसरा वनडे 20 जुलाई और तीसरा वनडे मैच 23 जुलाई को होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यह सभी संगीत कलाकारों के लिए एक सुनहरा समय है

गायिका आस्था गिल का कहना है कि वह एक ऐसे युग का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस कर रही हैं, जहां स्वतंत्र संगीत विकसित हुआ है और अब भी गति पकड़ रहा है। आस्था ने बादशाह के साथ डीजे वाले बाबू और पानी पानी जैसे सहयोगी कार्यों के साथ प्रसिद्धि प्राप्त की, इसके अलावा अकासा के साथ बज या नागिन पर कामयाबी हासिल की। हमारे दर्शकों का स्वाद विकसित हुआ है और लोग जानते हैं कि दुनिया भर में क्या हो रहा है। वे जानते हैं कि ध्वनियां क्या हैं। लोग जानते हैं कि संगीत कैसे बनता है। इसलिए, बहुत से लोग इसे सीख रहे हैं।, मैं बहुत धन्य महसूस करती हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं जागती हूं और मुझे एहसास होता है कि मैं धन्य हूं। एक समय था जब मैं अलीशा चिनाई और बैंड वाइवा को सुनती थी। अब मैं यहां हूं। कई बार मेरे लिए यह विश्वास करना मुश्किल होता है कि मैंने इसे बनाया है। लेकिन हां, यह सभी कलाकारों के लिए एक सुनहरा समय है और हर कोई अपनी तरह का काम कर रहा है। मैं उन सभी भारतीय कलाकारों का सम्मान करती हूं जो अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। आस्था जल्द ही एडवेंचर रियलिटी टीवी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 11 में भाग लेती नजर आएंगी, जो कलर्स पर प्रसारित होगा।

पंकज त्रिपाठी: कोई प्रोजेक्ट चुनने से पहले, मैं देखता हूं कि जेंडर संवेदनशीलता है या नहीं

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्म का चयन करते समय अपने दिमाग में आने वाले ख्यालों के बारे में बात की है। पंकज ने आईएएनएस को बताया, कभी-कभी मैं अपनी पसंद की कहानियों या पात्रों को पसंद करता हूं, या फिल्म में कुछ ऐसा जो मैं वास्तव में लोगों तक पहुंचाना चाहता हूं, एक संदेश की तरह। एक परियोजना चुनने से पहले मैं देखता हूं कि जेंडर संवेदनशीलता है या नहीं और एक फिल्म निर्माता फिल्म के माध्यम से क्या कोशिश कर रहा है कहने की। उन्होंने कहा, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन एक बाय-प्रोडक्ट है। मैं सिर्फ एक फिल्म के माध्यम से एक संदेश देना चाहता हूं। हर कहानी का एक संदेश देने का उद्देश्य होता है। इसलिए, मैं इसे ध्यान में रखता हूं। अभिनेता वर्तमान में कृति सेनन अभिनीत अपनी आगामी फिल्म मिमी की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म एक लड़की की कहानी बताती है जो बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाना चाहती है और एक जोड़े के लिए सरोगेट बन जाती है। मिमी की यात्रा और संघर्षों में पंकज एक अभिन्न भूमिका निभाते हैं। फिल्म में साईं तम्हंकर, सुप्रिया पाठक और मनोज पाहवा भी हैं, और यह 30 जुलाई से जियो सिनेमा और नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

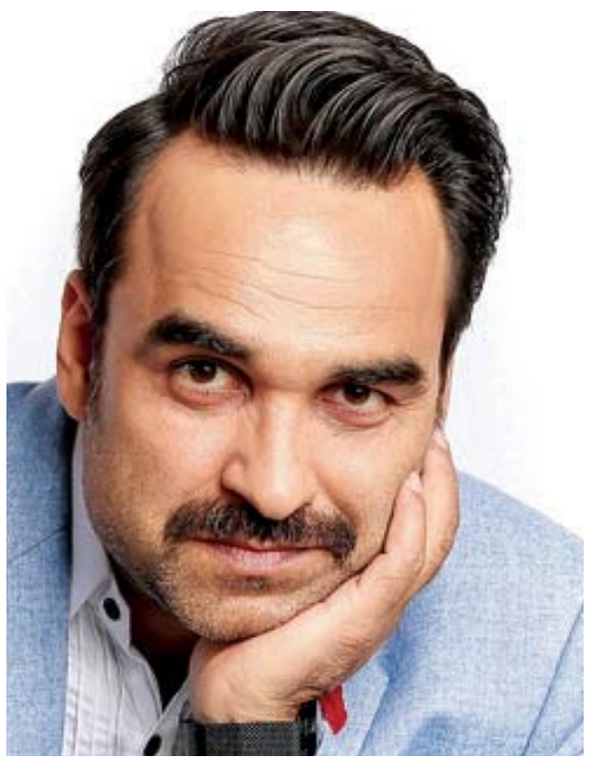

भारती सिंह का छलका दर्द, बोलीं- शो के दौरान गलत तरीके से छूते थे लोग

कॉमेडी क्वीन के नाम से मशहूर भारती सिंह ने आज अपनी एक अलग पहचान बना ली है। भारती सिंह को यह खास मुकाम हासिल करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा। हाल ही में भारती सिंह ने मनीष पॉल के शो में अपनी पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक कई खुलासे किए। भारती सिंह ने बताया कि किस तरह करियर के शुरू में वो मां को साथ लेकर शोज करने जाती थीं क्योंकि शो के दौरान लोग उन्हें गलत तरीके से छूते थे। भारती सिंह ने कहा, कई बार जो इवेंट के कॉर्डिनेटर्स थे वो गलत व्यवहार करते थे। वे अपने हाथ मेरी बैक पर रब करते थे। मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था, लेकिन फिर मन में आता था कि ये तो मेरे अंकल जैसे हैं तो मेरे साथ गलत क्यों करेंगे। उन्होंने कहा, उस वक्त मैं ये सब चीजें नहीं समझती थी। मुझमें अब लड़ने का आत्मविश्वास है, जो पहले कभी नहीं था। अब मैं कह सकती हूं कि क्या दिक्कत है, क्या देख रहे हो, बाहर जाओ हम चेंज कर रहे हैं। लेकिन उस वक्त मुझमे हिम्मत नहीं थी। भारती सिंह ने बचपन के अपने मुश्किल दौर के बारे में भी बात की। भारती ने कहा, मैंने देखा है कि कैसे कुछ लोग घर में आते थे और जो उन्होंने लोन दिया था उसके पैसे मांगते थे। वो मेरी मां का हाथ तक पकड़ लेते थे। मुझे उस वक्त भी नहीं पता था कि वो उनके साथ गलत बिहेव कर रहे हैं। बता दें कि भारती सिंह जब 2 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था। जिसके बाद भारती की मां एक फैक्ट्री में काम करके अपने तीनों बच्चों की परवरिश करती थीं। भारती सिंह ने एक्टिंग के साथ ही मॉडलिंग भी की हैं। उन्होंने कई फैशन डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक? किया। साल 2012 में 'झलक दिखला जा' में भारती ने डांसिंग में भी अपना लोहा मनवाया।

इस वजह से तंदूर संग जुड़ी रश्मि देसाई

टेलीविजन अभिनेत्री और बिग बॉस स्टार रश्मि देसाई शो तंदूर के साथ ओटीटी के क्षेत्र में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। इसमें वह तनुज विरवानी के साथ नजर आएंगी। रश्मि का कहना है कि वह इस क्राइम ड्रामा में इसलिए शामिल हुईं क्योंकि इसमें उनका किरदार काफी बोल्ड है। अस्सी के दशक के इर्द-गिर्द बुनी गई अपने किरदार के बारे में रश्मि कहती हैं, एक खास किरदार को निभाना और उसकी पेचीदगियों को समझना दिखाता है कि एक अभिनेता के तौर पर आप कितने जुनूनी हैं। जब मुझे पलक की पेशकश की गई, तो मुझे इसकी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई थी। पलक काफी सशक्त, निडर, साहसी और मुखर है। इससे सुनने के बाद मुझे एहसास हुआ कि एक ऐसे ही किरदार की मुझे चाह थी। पलक के साथ अपनी तुलना करते हुए रश्मि कहती हैं, मुझे देखकर लगता होगा कि मैं काफी मुखर हूं, लेकिन वास्तव में मैं अन्तर्मुखी स्वभाव की हूं। मैं हमेशा बोलने से पहले सोचती हूं। हर बार जब हम किसी सीन की शूटिंग करते थे, तो मुझे यह सोचकर हैरानी होती थी कि एक कलाकार के तौर पर मैं कितने अलग ढंग से खुद का चित्रण कर सकती हूं। यह दूसरों को साबित करने की बात नहीं है, बल्कि यह खुद से खुद का मुकाबला है कि असल जिंदगी से आप कितने अलग लग सकते हो। शो के ट्रेलर को हाल ही में रिलीज किया गया था। निवेदिता बासु द्वारा निर्देशित तंदूर 23 जुलाई को उल्लू पर रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

महामारी ने गुल पनाग को बड़ी सीख दी

द फैमिली मैन की अभिनेत्री गुल पनाग का कहना है कि इस महामारी में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक बड़ा जीवन का सबक सीखा है कि, सब कुछ जो वास्तव में मायने रखता है वह अंततः आपके घर की चार दीवारों के अंदर है। और जो कुछ भी बाहर है वह कुछ ऐसा है जिसके बिना आप आराम से रह सकते हैं। स्वास्थ्य ही धन है। हीलवेल24 की नवीनतम हेल्थकेयर पहल डॉक्सकैंपस के साथ अपने जुड़ाव पर आईएएनएसलाइफ से बात करते हुए गुल कहती हैं कि हर चीज के लिए सरकार को दोष नहीं दिया जा सकता है। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि मैं जितनी हो सके दूसरों से सामाजिक दूरी बनाए रखूं। हर बार जब मैं बाहर निकलती हूं तो अपना मास्क पहनती हूं। मुझे टीकाकरण की मेरी पहली खुराक मिल गई है और उम्मीद है कि जल्द ही दूसरी मिल जाएगी। टीकाकरण और मास्किंग पर एक सार्वजनिक संदेश देते हुए, वह आग्रह करती हैं, कृपया टीका लगवाएं, कृपया अपने मास्क पहनें। आपको न केवल अपने लिए बल्कि अपने आस-पास के लोगों के लिए भी जिम्मेदार होने की आवश्यकता है। प्रत्येक और सभी के लिए टीकाकरण कराना महत्वपूर्ण है। हमें हर समय मास्क पहनना होगा। यह खत्म नहीं हुआ है और मुझे लगता है कि ये जल्द खत्म होने वाला नहीं है।

शेफाली शाह के निर्देशन में बनी फिल्म 'हैप्पी बर्थडे मम्मीजी' का पहला पोस्टर रिलीज

शेफाली शाह अपने निर्देशन में बनी फिल्म 'हैप्पी बर्थडे मम्मीजी' की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली शॉर्ट फिल्म का पोस्टर साझा कर दिया है। शेफाली शाह ने टेलीविजन, फिल्मों, थिएटर और अब ओटीटी प्लेटफार्म सहित सभी प्लेटफार्म पर अपने प्रदर्शन से हमें स्तब्ध कर दिया है। अब, वह हैप्पी बर्थडे मम्मीजी के साथ एक सुंदर कहानी पेश करने के लिए तैयार हैं, जो उनके द्वारा लिखित और निर्देशित है। वे अपने विशाल और प्रभावशाली करियर में एक नई दिशा ले रही हैं और आज, वह सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज कर रही हैं। शॉर्ट फिल्म रॉयल स्टैग बैरल सेलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत की गई है और जल्द ही रिलीज़ की जाएगी। 'हैप्पी बर्थडे मम्मीजी' एक ऐसी कहानी है जिसमें समान परिस्थितियों से गुजर रही हज़ारों महिलाओं की कहानी शामिल हैं। शेफाली द्वारा निर्देशित फिल्म की शूटिंग मुंबई में की गई है। 'समडे' के बाद यह शेफाली की दूसरी निर्देशित फिल्म है। दशकों से एक स्थापित अभिनेत्री, शेफाली ने फिर से हमें अपनी नवीनतम फिल्म जैसे अजीब दास्ताना में अपना अभिनय कौशल दिखाया है। वह जल्द ही आलिया भट्ट और विजय वर्मा के साथ डार्लिंग्स में नजर आएंगी। शॉर्ट फिल्म के बारे में बात करते हुए शेफाली कहती हैं, यह हम में से हर किसी की कहानी है, जो अपने रिश्तों, परिवार, घर से पहचाने जाते हैं... एक विकल्प जिसे हम खुशी से चुनते हैं। लेकिन कभी न कभी, हम सभी ने महसूस किया है कि सभी जिम्मेदारियों को छोड़ देने की सख्त जरूरत है। कोविड के कारण हुए लॉकडाउन ने हमारे चेहरों पर अलग-थलग पड़ने की प्रबल भावना पैदा कर दी, लेकिन क्या होता अगर इस पर एक अलग विचारधारा होती तो।

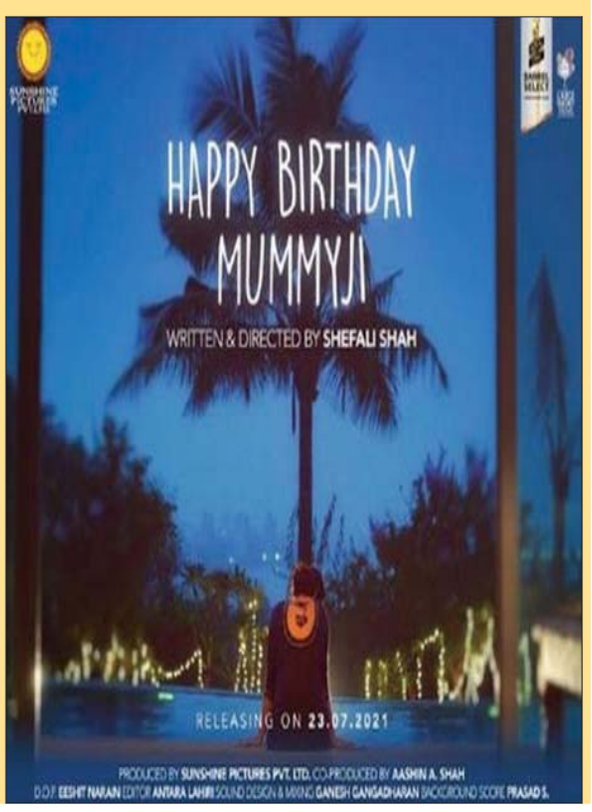

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अमेरिका में पिज्जा की दुकान चलाने वाला शख्स अवैध तरीके से पाकिस्तान भेजता था राइफल, अपराध कबूला

वाशिंगटन। अमेरिका में पिज्जा की दुकान चलाने वाले पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति ने अर्ध स्वचालित राइफल, उसके पुर्जे और सामान अवैध रूप से पाकिस्तान निर्यात करने के मामले में अपना अपराध स्वीकार किया है। कामरान अशफाक मलिक (35) और सह आरोपी वालीद अफताब (22) अमेरिका से सामानों की अवैध तस्करी के मामले में 10 साल की सजा का सामना कर रहे हैं। अफताब 19 दिसंबर, 2014 को इन्हीं आरोपों में अपना अपराध स्वीकार कर चुका है। संघीय अभियोजनकर्ताओं के अनुसार मलिक अपर मार्लबोरो में पिज्जा की एक दुकान का मालिक है। वहीं पाकिस्तान के लाहौर में भी उसका घर है। अफताब इसी दुकान में काम करता था। मलिक के याचिका समझौते के अनुसार उसने सितंबर और अक्टूबर 2012 के बीच विभिन्न आग्नेयास्त्रों और इससे जुड़े सामानों की ब्रिक्री करने वालों से करीब 48 एआर-15 100 कारतूस की खरीद की या इस तरह के खरीद में शामिल रहा। संघीय अभियोजनकर्ताओं के अनुसार प्रतिवादियों ने ऐसी वस्तुओं के निर्यात के लिए कभी जरूरी लाइसेंस हासिल नहीं किए थे। अदालत में दिए गए दस्तावेजों के मुताबिक 28 नवंबर 2012 को संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में हवाईअड्डे पर नियमित जांच के दौरान बिना निर्यात लाइसेंस के पाकिस्तान में निर्यात के लिये प्रतिबंधित हथियारों के पुर्जे पैकेज में पाए जाने के बाद यह मामला सामने आया था।

10,000 जिहादी लड़ाके पाकिस्तान से आए हैं: अफगान राष्ट्रपति

काबुल/नई दिल्ली। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने जोरदार भाषण देते हुए कहा कि पिछले महीने 10,000 से अधिक जिहादी लड़ाके पाकिस्तान से देश में दाखिल हुए, जबकि इस्लामाबाद तालिबान को शांति वार्ता में गंभीरता से भाग लेने के लिए मनाने में विफल रहा है। काबुल टाइम्स के अनुसार, गनी ने शुक्रवार को ताशकंद में आयोजित मध्य और दक्षिण एशिया कनेक्टिविटी सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान भी उपस्थित थे। गनी ने कहा प्रधानमंत्री खान और उनके जनरलों द्वारा बार-बार आश्वासन के विपरीत कि पाकिस्तान के हित में अफगानिस्तान में तालिबान का अधिग्रहण नहीं पाता है और तालिबान को गंभीरता से बातचीत करने के लिए बल और उसकी शक्ति और प्रभाव के उपयोग से कम हो गया है, नेटवर्क और संगठन तालिबान का समर्थन कर रहे हैं खुले तौर पर अफगान लोगों और राज्य की संपत्ति और क्षमताओं के विनाश का जश्न मना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अफगानिस्तान तालिबान और उनके समर्थकों का मुकाबला करने के लिए तब तक तैयार है जब तक वे यह महसूस करते हैं कि राजनीतिक समाधान ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। गुरुवार को, प्रथम उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने अफगान वायु सेना के खिलाफ मिसाइल लॉन्च की धमकी दी थी, अगर उसने तालिबान मिलिशिया को निशाना बनाया, जिसने सीमावर्ती शहर स्पिन बोल्डक में सीमा चौकियों को जब्त कर लिया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में इस दावे का खंडन किया है।

भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की मौत पर अमेरिका ने जताया शोक

वाशिंगटन। अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन और सांसदों ने अफगानिस्तान में अफगान बलों और तालिबानी आतंकवादियों के बीच जंग को कवर करने के दौरान भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की मौत पर शोक जताया है। वर्ष 2018 में पुलित्जर पुरस्कार जीत चुके सिद्दीकी रॉयटर्स समाचार एजेंसी के लिए काम करते थे। पाकिस्तान के साथ सीमा के पास स्पिन बोल्डक शहर में शुक्रवार को वह मारे गए। उस दौरान वह अफगान विशेष बलों के साथ जुड़े हुए थे। अमेरिका के विदेश विभाग में प्रधान उप प्रवक्ता जलिना पोर्टर ने पत्रकारों से कहा, ''हमें यह सुनकर गहरा दुख हुआ है कि रॉयटर्स के फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी अफगानिस्तान में लड़ाई को कवर करते हुए मारे गए।''

थाईलैंड ने प्रतिबंधों को और कड़ा करने की योजना बनाई

बैंकॉक। थाईलैंड ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को और सख्त करने की योजना बनाई है, क्योंकि मौजूदा उपाय कोरोनावायरस के तेजी से प्रसार को रोकने में विफल रहे हैं और दैनिक मामले एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटर फॉर द कोविड -19 सिचुएशन एडमिनिस्ट्रेशन (सीसीएसए) ने शुक्रवार को 9,692 नए मामलों और 67 और मौतों का एक नया दैनिक रिकॉर्ड दर्ज किया, जिससे कुल संक्रमणों की संख्या 381,907 और 3,099 लोगों की मौत हो गई। थाईलैंड के सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांतों में अर्ध-लॉकडाउन के उपाय लागू होने के पांच दिन बाद, मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि जारी रही है। सीसीएसए की प्रवक्ता अपिसमाई श्रीरंगसन ने शुक्रवार को एक दैनिक ब्रीफिंग में कहा कि मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए अधिक व्यवसायों को बंद करने और सार्वजनिक गतिशीलता प्रतिबंधों जैसे सख्त उपायों की योजना बनाई गई है।

टीकाकरण रोलआउट में पिछड़ते हुए थाईलैंड अब एक अधिक संक्रामक डेल्टा संस्करण के खतरे का सामना कर रहा है। गुरुवार तक, इस साल के अंत तक देश की 70 प्रतिशत आबादी को टीका लगाने की देश की योजना में इसकी 70 मिलियन आबादी में से 5 प्रतिशत से भी कम को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। राष्ट्रव्यापी बिगड़ती कोविड -19 स्थिति के बावजूद, लोकप्रिय पर्यटन द्वीप फुकेत में फुकेत सैंडबॉक्स के तहत पहले के पूर्वानुमान की तुलना में अधिक विदेशी आगंतुकों को देखने की संभावना होगी, एक पायलट पर्यटन फिर से खोलने वाली परियोजना जो थाईलैंड अपनी पर्यटक-निर्भर अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए दांव पर लगाती है। थाईलैंड के पर्यटन प्राधिकरण (टीएटी) के फुकेत कार्यालय के निदेशक नंथसिरी रोन्सिरी ने गुरुवार को कहा कि 1 जुलाई से अब तक कुल 5,473 विदेशी पर्यटक फुकेत का दौरा कर चुके हैं, जिससे पर्यटन से संबंधित आय में 190 मिलियन बाहत (5 मिलियन डॉलर अमेरिकी डॉलर) की कमाई हुई है।

महंगी पड़ी आतंकियों की रहनुमाई! चीनी मिसाइल का टारगेट पाकिस्तान, अब क्या करेंगे इमरान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन ने पाकिस्तान में इंजीनियरों के बस के ऊपर हुए आतंकी हमले को लेकर इमरान सरकार से गहरी नाराजगी जताई है। चीन के सरकारी अखबार ने तो इमरान खान को सीधे-सीधे धमकी दे दी है। चीन ने आतंक पर पाकिस्तान को हमले की धमकी दी है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने पाक को धमकाया है। ग्लोबल टाइम्स के संपादक हू शिजीन ने ट्विट करते हुए लिखा कि कि इस हमले के पीछे कायर आतंकी अब तक सामने नहीं आ पाए हैं। लेकिन ये निश्चित है कि वो ढूंढ़ निकाले जाएंगे। अगर पाकिस्तान ऐसा नहीं कर पाता है तो उसकी सहमति से चीन की मिसाइलें और स्पेशल फोर्सेज कार्रवाई कर सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति समझने वाले जानते हैं कि सरकारी मुखपत्र के संपादक के जरिये कही गई बातों में पाकिस्तान की सहमति वाले शब्द कूटनीतिक लिहाज वाले हैं। वरना शी जिनपिंग ने सीधे-सीधे इमरान को मिसाइल हमले की धमकी दी है।

चीनी इंजीनियरों से भरी बस पर हुआ हमला

गौरतलब है कि पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई। खैबर पख्तूनवा के कोहिस्तान इलाके में ये हमला हुआ था। चीनी इंजीनियर और निर्माण श्रमिक एक बांध बनाने में मदद कर रहे हैं। यह बांध 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा है।

इमरान ने झूठ बोल चीन के गुस्से से बचना चाहा, दूतावास ने किया पर्दाफाश

आतंक के रहनुमा बने इमरान ये तो अच्छी तरह जानते थे कि अपने नागरिकों पर हुए हमले को चीन किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। इसलिए इमरान ने पहले झूठ बोलकर चीन के गुस्से से बचना चाहा। यहां तक की इस बम धमाके को हादसा बता दिया। लेकिन चीनी दूतावास ने बम धमाके की पुष्टि कर इमरान के झूठ का पर्दाफाश किया।

इमरान के लिए महंगी पड़ी आतंकियों की रहनुमाई

चीन ने जब से पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश किया तब से इमरान घबराए हुए हैं। आतंकियों पर कार्रवाई करो या चीन के हमले झेलो। यानी इमरान के एक तरफ कुआं है और दूसरी तरफ खाई और बहुत मुश्किल पड़ने वाली है आतंकियों की रहनुमाई। इमरान सरकार से चीन की नाराजगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज पाकिस्तान के साथ सीपीईसी को लेकर होने वाली बड़ी बैठक को अचानक रद्द कर दिया। इतना ही नहीं चीन ने तो इन इंजीनियरों के मौत की तफ्तीश के लिए अपनी जांच टीम भेजने का भी ऐलान कर दिया।

दिखावे की कार्रवाई के नाम पर निर्दोष न चढ़ जाएं भेंट

इमरान खान का गृह प्रदेश खैबर पख्तूनख्वा इन दिनों पाकिस्तान में आतंकियों

का बड़ा गढ़ बनता जा रहा है। ऐसे में इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय दवाब में आतंकियों पर कार्रवाई के नाम पर आम लोगों को बलि का बकरा बनाया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ब्लूचिस्तान में ऐसे कई आतंकवादी हमलों के बाद पाकिस्तान की सेना द्वारा आम लोगों को आतंकी बताकर उनकी हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। ऐसी कई घटनाओं के वीडियो भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं जिसमें पाकिस्तानी सेना निहत्थे लोगों को गोलियों से छलनी करती नजर आ रही है।

बोल्सोनारो अभी भी अस्पताल में भर्ती

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो आंतों में रुकावट के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं और उन्हें तत्काल छुट्टी देने की कोई योजना नहीं है।

समाचार एजेंसी ने निजी अस्पताल विला नोवा स्टार द्वारा शुक्रवार को जारी एक मेडिकल रिपोर्ट के हवाले से कहा, राष्ट्रपति स्वस्थ हैं और संतोषजनक ढंग से प्रगति कर रहे हैं, चिकित्सा आचरण में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

राष्ट्रपति को अभी अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद नहीं है। 66 वर्षीय बोल्सोनारो ने 10 दिनों से अधिक समय तक हिचकी आने की शिकायत की और बुधवार की सुबह ब्रासीलिया के सशस्त्र बल अस्पताल में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। राष्ट्रपति के निजी गैस्ट्रिक सर्जन, एंटोनियो मैसेडो ने मूल्यांकन करने के लिए विला नोवा स्टार अस्पताल में उनके स्थानांतरण का आदेश दिया कि क्या उन्हें सर्जरी की आवश्यकता है, जिसे फिलहाल खारिज कर दिया गया है। सितंबर 2018 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में एक चुनावी रैली के दौरान चाकू से हमला करने के बाद से, बोल्सोनारो की छह सर्जरी हुई हैं, जिनमें से चार उन्हें मिले घावों से जुड़ी हैं। इस बीच, सरकार के सचिव लुइज एडुआडरे रामोस ने एक ट्वीट में कहा कि राष्ट्रपति ठीक हैं, काम पर वापस आ गए हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंस से बातचीत कर रहे हैं।

यूरोप में बाढ़ का कहर, अब तक 150 लोगों की हुई मौत; बचाव कार्य जारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

बर्लिन। पश्चिमी यूरोप में विनाशकारी बाढ़ से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर शनिवार को 150 हो गयी, वहीं बचावकर्ता राहत कार्यों में लगे रहे। पुलिस ने बताया कि जर्मनी की अह्रविलर काउंटी में 90 से अधिक लोगों की मौत होने की खबर है। यह काउंटी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित इलाकों में से एक है। अधिकारियों ने शुक्रवार को राइनलैंड-पैलेटिनेट राज्य में 63 लोगों की मौत की खबर दी थी। अह्रविलर इसी राज्य में स्थित है। जर्मनी की सबसे अधिक आबादी वाले उत्तरी राइन-वेस्टफलिया राज्य में 43 और लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। बेल्जियम की मीडिया ने खबर दी कि बेल्जियम में शनिवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई। शनिवार तक ज्यादातर प्रभावित क्षेत्रों में जलस्तर कम हो गया लेकिन अधिकारियों को आशंका है कि बाढ़ में बही कारों और ट्रकों से और शव मिल सकते हैं। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमेयर का शनिवार को कोलोन के दक्षिण-पश्चिम शहर इरफ्स्टाड का दौरा करने का कार्यक्रम है, जहां शुक्रवार को बचाव कार्य में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहां मकानों के ढहने से कई लोग मलबे में फंस गए थे। अधिकारियों को आशंका थी कि कुछ लोग बचने में सफल नहीं रहे,

लेकिन शनिवार सुबह तक किसी के मरने की पुष्टि नहीं की गई। कई इलाकों में अभी तक बिजली और टेलीफोन सेवाएं बहाल नहीं हुई हैं। रूर नदी का तटबंध टूटने से हॉलैंड की सीमा से लगे जर्मनी के वासेनबर्ग शहर से करीब 700 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। बुरी तरह प्रभावित जर्मनी और बेल्जियम के अलावा नीदरलैंड का दक्षिणी हिस्सा भी भारी बाढ़ से प्रभावित हुआ है। तटबंधों की मरम्मत और सड़कों को बचाने के लिए स्वयंसेवी रात भर काम में जुटे रहे। नीदरलैंड के दक्षिणी शहर बुंडे, वाउलवेम्स, ब्रोमीलीन और गुएले में हजारों निवासियों को शनिवार की सुबह उनके घर लौटने की अनुमति दे दी गई। उन्हें बृहस्पतिवार और शुक्रवार को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया था। नीदरलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मार्क रूटे ने शुक्रवार को इलाके का दौरा किया और कहा कि क्षेत्र को ''तीन आपदाओं'' का सामना करना पड़ा। स्विट्जरलैंड में भारी बारिश के कारण कई नदियां और बड़े तालाबों के तट टूट गए और लुसर्न शहर के अधिकारियों ने रिउस नदी पर कई पैदल पुलों को बंद कर दिया।

व्हाइट हाउस में इराक के प्रधानमंत्री से मिलेंगे जो बाइडेन, 26 जुलाई को होगी प्रस्तावित बैठक

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति जो बाइडेन इस महीने के अंत में वाशिंगटन में इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदिमी से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच 26 जुलाई को प्रस्तावित बैठक अमेरिका-इराक संबंधों में ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है जब इराक और सीरिया में अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ लगातार हमलों के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। जनवरी में बाइडेन के कार्यभार संभालने के बाद से अमेरिकी अड्डों को निशाना बनाकर कम से कम आठ ड्रोन हमले और 17 रॉकेट हमले हुए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा

कि बाइडन इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन की ''हार सुनिश्चित करने समेत इराक के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा के मोर्चे पर द्विपक्षीय सहयोग'' मजबूत करने की दिशा में आशान्वित हैं। अमेरिकी बलों पर हमले के लिए ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों पर आरोप लगता रहा है।

बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ईरान के अभियान दल के कुद्स फोर्स कमांडर कासिम सुलेमानी और वरिष्ठ इराकी मिलिशिया कमांडर अबू महदी अल-मुहांदिस के पिछले साल अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध जटिल हो गए। उस हमले का आदेश तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिया था। लेकिन बाइडन प्रशासन ईरान के साथ पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय हुए परमाणु समझौते को फिर से शुरू करना चाहता है और ऐसे संकेत मिले हैं कि ईरान कम से कम अभी के लिए अमेरिका पर मिलिशिया के हमलों पर अंकुश लगाना चाहता है।

हंगरी में तीसरी कोविड खुराक पेश की जाएगी : पीएम

बुडापेस्ट। (एजेंसी)।

हंगरी की सरकार एक अगस्त से तीसरा कोविड-19 वैक्सीन पेश करने की तैयारी कर रही है। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने दी है। ओर्बन ने शुक्रवार को स्टेट रेडियो एमआर1 के साथ साक्षात्कार में कहा कि अंगूठे के एक नियम के रूप में, तीसरा टीकाकरण किसी भी आवेदक को दिया जा सकता है, आमतौर पर दूसरे टीकाकरण के कम से कम चार महीने बाद । समाचार एजेंसी ने ओर्बन के हवाले से कहा, हालांकि, व्यक्ति की चिकित्सा स्थिति के आधार पर अपवाद हो सकते हैं। हंगेरियन जो तीसरा टीका प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें टीकाकरण बिंदु पर मिलेगा जहां उन्होंने पहले दो शॉट प्राप्त किए हैं। ओर्बन ने कहा तीसरे जाब के लिए, कोई टीकाकरण कार्यक्रम नहीं होगा, इसलिए उम्र या अन्य प्राथमिकताओं को क्रम में नहीं गिना जाएगा, आपको बस एक तारीख पूछने की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टर तय करेंगे कि तीसरा टीका किस तरह का होना चाहिए। पेशेवरों को यह तय करना चाहिए कि पिछले दो मौकों पर प्राप्त व्यक्ति की तुलना में एक अलग प्रकार के तीसरे टीके की सिफारिश की जाए, या उसके अनुसार एक ही वैक्सीन की पेशकश की जाए। स्वास्थ्य कर्मियों को छोड़कर टीकाकरण स्वैच्छिक रहेगा। 1 सितंबर से शुरू होने वाले स्कूल वर्ष से पहले सोमवार और मंगलवार को सभी शैक्षणिक संस्थानों में 12 से 15 वर्ष की आयु के लोगों के लिए टीकाकरण किया जाता है। ओर्बन ने यह भी कहा 16 से 18 साल के बच्चे अच्छा कर रहे हैं, उनमें से 45 प्रतिशत को पहले ही टीका लगाया जा चुका है। प्रधान मंत्री ने चेतावनी दी, लेकिन 65 वर्ष से अधिक उम्र के 15 प्रतिशत लोगों को अभी तक टीका नहीं लगाया गया है, और वे अब पहले से कहीं अधिक जोखिम में हैं, उन्हें जल्द से जल्द टीका लगाने का अनुरोध किया। हंगेरियन सरकार ने टीकाकरण अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए रूसी स्पुतनिक वी और चीनी सिनोफार्मा टीकों की बड़ी आपूर्ति खरीदी है।

ग्रीस ने कोविड मामलों के बीच बंदरगाहों पर नियंत्रण बढ़ाया

एथेंस (एजेंसी)।

ग्रीस के अधिकारियों ने इस सप्ताह देश के बंदरगाहों पर नियंत्रण बढ़ा दिया है, क्योंकि देश के कुछ लोकप्रिय द्वीपों में डेल्टा संस्करण से जुड़े कोविड -19 के एक नए पुनरुत्थान के मामले सामने आए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को पीरियस के बंदरगाह की अपनी यात्रा के दौरान, समुद्री मामलों और द्वीपीय नीति मंत्री इयोनिस प्लाकिओटाकिस ने लोगों से टीकाकरण करने और महामारी के खिलाफ युद्ध जीतने का अनुरोध किया। मंत्री ने पत्रकारों से कहा, सब कुछ टीकाकरण कार्यक्रम पर निर्भर करेगा। हम लोगों से टीकाकरण कराने का अनुरोध करते हैं। वर्तमान में, ग्रीस भर में जहाजों पर चढ़ने वाले यात्रियों की संख्या 2019 में पंजीकृत प्रवाह के लगभग 60 प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने कहा, अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता आगंतुकों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यात्रियों के सहयोग का अनुरोध करता हूं। हम अपनी और अपने आसपास के लोगों की रक्षा करें। हम सुरक्षित यात्रा करें, जिससे हमारी गर्मियां अच्छी हो। गुरुवार को ग्रीस के तटरक्षक बल ने शिपिंग कंपनियों से बोर्डिंग से पहले सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन का निरीक्षण करने की जिम्मेदारी संभाली। 12 वर्ष और उससे अधिक आयु के यात्रियों को या तो टीकाकरण प्रमाण पत्र (दूसरी खुराक प्राप्त करने के 14 दिन बाद वैध), या ठीक का प्रमाण, बोर्डिंग से 72 घंटे पहले लिया गया एक निगेटिव पीसीआर (पोलीमरेज चेन रिएक्शन) परीक्षण या एक रैपिड टेस्ट 48 घंटे पहले प्रस्तुत करने के लिए बाध्य हैं। बोर्डिंग से पहले एक यात्री लोकेटर फॉर्म भी जमा किया जाना चाहिए। मंत्रालय के प्रवक्ता निकोलास कोक्कलास ने कहा, अधिकांश लोगों ने इसका पालन किया है, और अधिक लोगों को टीकाकरण की आवश्यकता दोहराते हुए कहा कि ग्रीस की कुल आबादी के लगभग आधे लोगों को अभी भी टीका नहीं लगा है। उन्होंने कहा,हम चालक दल के सदस्यों, यात्रियों और हमारे द्वीपों के निवासियों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए सभी यात्रियों की तरह टीकाकरण के लिए मनाने की कोशिश करते हैं। अधिकारियों ने एजियन सागर में कुछ लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर अलार्म बजाया है और क्षेत्रीय स्तर पर कड़े कदम उठाए हैं। नागरिक सुरक्षा और संकट प्रबंधन के उप मंत्री निकोस हरदालियास ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पीछे के आंकड़ों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यात्री जहाजों पर काम करने वालों सहित पर्यटन और खानपान क्षेत्रों में असंबद्ध कर्मचारियों को शनिवार तक प्रति सप्ताह दो कोरोनोवायरस परीक्षणों से गुजरना

होगा। 7-14 जुलाई के बीच, मायकोनोस पर दैनिक संक्रमण दर 77 से बढ़कर 318, सेंटोरिनी पर 24 से 56 तक और पारोस पर 9 से 72 तक हो गई। क्रेते द्वीप पर, संबंधित आंकड़े रेथिमनो के क्षेत्र में 384-782 और इराक्लियो के आसपास 310-878 थे। गर्मियों के दौरान स्थानीय स्तर पर अधिक प्रतिबंधात्मक उपायों का सहारा लेने से बचने के लिए ग्रीक अधिकारियों ने जनता से टीकाकरण और सुरक्षा उपायों का पालन करने का अनुरोध है, जिसमें घर के अंदर फेस मास्क पहनना शामिल है। इस महीने, ग्रीस भर में नए संक्रमणों की दैनिक संख्या चार महीनों में पहली बार 3,000 से अधिक हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कक्षा 12 विज्ञान संकाय के नतीजों की घोषणा, 3245 विद्यार्थियों को मिला ए-1 ग्रेड

क्रांति समय दैनिक

गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12 विज्ञान संकाय के नतीजों का आज ऐलान कर दिया। बोर्ड के इतिहास में पहली बार कक्षा 12 विज्ञान संकाय के 100 प्रतिशत नतीजों का ऐलान किया गया है। जिसमें 3245 विद्यार्थियों को ए-1 ग्रेड मिला है। 15284 ने ए-2 ग्रेड प्राप्त किया है। कोरोना संकट के चलते इस बार सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं और विद्यार्थियों को मास प्रमोशन दिया गया था। हांलाकि परिणाम में कहीं भी मास प्रमोशन का उल्लेख नहीं किया गया। विद्यार्थियों को परंपरागत मार्कशीट उपलब्ध होगी। मास प्रमोशन के ऐलान के बाद गुजरात शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12 विज्ञान संकाय के कुल 107264 विद्यार्थियों के परिणामों की घोषणा की है। जिसमें 3245 विद्यार्थियों को ए-1 ग्रेड मिला है। ए-2 ग्रेड पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 15284 है। जबकि 24757 ने बी-1,26831 विद्यार्थियों ने बी-2, 22174 ने सी-1, 12071 विद्यार्थियों ने सी-2, 2609 विद्यार्थियों ने

डी, 289 विद्यार्थियों ने ई-1 और 4 विद्यार्थियों ने ई-2 ग्रेड हासिल किया है। शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी परिणाम केवल स्कूल अपने इंडेक्स नंबर के आधार पर देख सकेंगी। विद्यार्थी अपने नतीजे सीधे नहीं देख पाएंग। स्कूलों को अपने विद्यार्थियों के नतीजे डाउनलोड कर उन्हें मुहैया कराना होगा। विद्यार्थियों को परिणाम पहुंचाने के लिए शिक्षा बोर्ड स्कूलों को अलग आदेश देगा। यदि कोई विद्यार्थी अपने नतीजों से संतुष्ट नहीं है तो उसे अपना परिणाम 15 दिनों के भीतर गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गांधीनगर की कचहरी में जमा करवाना होगा।

ऐसे विद्यार्थियों के लिए शिक्षा बोर्ड अलग से परीक्षा का आयोजन करेगा और इसका कार्यक्रम बाद में जारी करेगा।

चार बेटियों के साथ महिला ने नहर में लगाई छलांग, महिला समेत 3 तीन की मौत

क्रांति समय दैनिक

बनासकांठा,उत्तर गुजरात की नर्मदा नहर में एक महिला ने अपनी चार बेटियों के साथ छलांग लगा थी। इस घटना में महिला समेत उसकी दो बेटियों की मौत हो गई। जबकि दो बच्चियों स्थानी तैराकों ने बचा लिया। घटना बनासकांठा जिले के थराद की। जहां दिवालीबेन परमार नामक एक महिला अपनी चार बेटियों के साथ नर्मदा नहर में कूद गई। बेटियों के साथ महिला को नहर में छलांग लगाते देख स्थानीय तैराक पांचों को बचाने नहर में कूद गए। बच्चियों को बचाने में तैराक सफल रहे। जबकि महिला समेत उसकी तीन बेटियों की पानी में डूबकर मौत हो गई। खबर मिलते ही पुलिस समेत फायर ब्रिगेड का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया। काफी मशक्कत के बाद महिला और उसकी दो बेटियों की लाशें नहर से बाहर निकाली। महिला ने किन कारणों से आत्महत्या की, इसका फिलहाल पता नहीं चला है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शु की है।

सूरत के बिल्डर ने 11 लाख रुपये में खरीदा 192 किलो का 'तैमूर' बकरा, कुर्बानी के साथ मनाई

शिक्षा और छात्रा के प्रेम संबंधों का करुण अंजाम,ट्यूशन क्लास में दोनों ने आत्महत्या कर ली

क्रांति समय दैनिक

सुरेन्द्रनगर,सुरेन्द्रनगर से शिक्षा और छात्रा के प्रेम संबंधों की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 48 वर्षीय शिक्षक और 19 वर्षीय छात्रा के बीच प्रेम संबंध था, परंतु समाज उन्हें स्वीकार नहीं करेगा, यह सोचकर दोनों ट्यूशन क्लास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना है सुरेन्द्रनगर के रतनपर की। 48 वर्षीय दिनेश अंबारामभाई दलवाडी रतनपर की शिवधारा ट्यूशन क्लास में शिक्षक था। जहां 19 वर्षीय श्रद्धा महेशभाई चावडा नामक युवती कक्षा 10 से ट्यूशन के लिए आती थी। इस दौरान दिनेश और श्रद्धा के नैन मिल गए और दोनों एक दूसरो को प्यार करने लगे। दिनेश दलवाडी विवाहित था और उसका 19 वर्षीय बेटा कॉलेज में पढ़ रहा है। बेटे की उम्मर की लड़की के साथ शादी संभव नहीं थी और परिवार व समाज भी दोनों को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए दिनेश और श्रद्धा ने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। वैसे क्लास सुबह 11 बजे से शुरू होती थी, लेकिन शुक्रवार को श्रद्धा और दिनेश सुबह 7 बजे ही क्लास में पहुंच गए। श्रद्धा नए कपड़े और कंगन पहनकर आई थी। दिनेश भी नए वस्त्र धारण कर क्लास में आया था। क्लास की छत में लगे हूक में दोनों ने फांसी लगाकर जान दे दी। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। मृत श्रद्धा की मांग सिंदूर और गले में मंगल सूत्र था। पुलिस को घटनास्थल से दो स्यूसाइड नोट मिला है, जिसमें दोनों अपने परिवारों से माफी मांगी है। साथ ही लिखा कि दोनों एक दूसरे के बगैर जी नहीं सकते और समाज उनके संबंधों को कभी स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए हम दोनों ने आत्महत्या करने का फैसला किया।

सार-समाचार

19 जुलाई की दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन परिवर्तित मार्ग से आयेगी

अहमदाबाद,19 जुलाई 2021 को दरभंगा से चलने वाली ट्रेन संख्या 09166 दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग दरभंगा-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर की बजाय वाया दरभंगा-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर होकर आयेगी।

वरिष्ठ पत्रकार और लेखक आदित्य कांत के प्रथम उपन्यास 'हाई ऑन कसोल' का राज्यपालजी ने किया विमोचन

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने वरिष्ठ पत्रकार और लेखक आदित्य कांत के प्रथम उपन्यास 'हाई ऑन कसोल' का विमोचन करते हुए कहा कि नशाखोरी से युवाधन को बचाने के सामूहिक प्रयास आवश्यक है। हाई ऑन कसोल उपन्यास युवाओं को नशाखोरी से दूर रहने की प्रेरणा देता है। 'हाई ऑन कसोल' पुस्तक का विमोचन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पार्वती घाटी प्रदेश की पार्श्वभूमि में आलेखित कथानक द्वारा यहां युवाओं को ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का असरदार सन्देश दिया गया है। राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश के उनके कार्यकाल के दौरान युवाओं में ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन की बुराई के खिलाफ जन अभियान शुरु कर युवाओं को नशामुक्त करने की पहल की थी। इस उपन्यास में स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले लोगों के बीच की समस्या और रोजमर्रा के जीवन संघर्ष को आलेखित करने के लेखक आदित्य कांत के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि नशे की बुराई को खत्म करने के लिए हिमाचल सहित अन्य राज्यों में विभिन्न स्तर पर पहल की जा रही है। ऐसे में नशे का शिकार बने व्यक्ति का नशामुक्ति के लिए संघर्ष और उसमें मिलने वाली विजय को वर्णित करने वाला यह उपन्यास नशामुक्ति अभियान को नयी प्रेरणा देगा। इस अवसर पर लेखक श्री आदित्य कांत ने इस पुस्तक के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि चार वर्ष के संशोधन के अंत यह पुस्तक हाई ऑन कसोल तैयार हुई है। यह उपन्यास कुल्लु की घाटी में स्थित मिनी इजरायल के तौर पर पहचाने जाने वाले छोटे से गांव कसोल की पार्श्व भूमि में लिखा गया है जो ड्रग्स की आदत से संघर्ष करके आने की कोशिश करने वाले लोगों के लिए आशा की किरण है।यह पुस्तक स्थानीय लोगों के बाहर से आने वाले लोगों के साथ संघर्ष को प्रस्तुत करती है। दूसरी ओर, हिमाचल, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों के युवाओं में फैल रही नशीले पदार्थों की आदत की चुनौतियों का भी चित्रण करती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केरल में दहेज उत्पीड़न को लेकर राज्य सरकार ने14 जिलों में की दहेज निषेध अधिकारी की तैनाती

तिरुवनंतपुरम। केरल में दहेज उत्पीड़न के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य सरकार ने अपनी दहेज निषेध नियमावली में बदलाव कर सभी 14 जिलों में 'दहेज निषेध अधिकारी' की तैनाती की है ताकि इन शिकायतों पर सख्ती से कार्रवाई की जा सके। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि दहेज निषेध अधिकारी का पद पहले से ही क्षेत्रीय आधार पर तीन जिलों- तिरुवनंतपुरम, एर्णाकुलम और कोझिकोड में था और अब इसका विस्तार सभी जिलों में किया गया है। उन्होंने यहां एक बयान में कहा कि जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ही प्रत्येक जिले में दहेज निषेध अधिकारी के तौर पर काम करेंगे। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत महिला एवं बाल विकास निदेशक को मुख्य दहेज निषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है। जॉर्ज ने कहा, '' दहेज निषेध अधिकारी की नियुक्ति की पहल सरकार द्वारा दहेज के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों का हिस्सा है।

यूपी विधानसभा सचिवालय के कर्मचारियों के जीन्स टी-शर्ट पहनने पर रोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय में कार्यरत कर्मचारियों को जीन्स टी-शर्ट पहनने पर रोक लगा दी है। विधानसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव नरेंद्र कुमार मिश्रा ने यह आदेश जारी किया है। इस जारी आदेश में साफ लिखा गया है कि अब सभी कर्मचारी तथा सचिवालय की गरिमा के अनुरूप ही पोशाक पहनेंगे। यह निर्देश सभी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय में अब जींस तथा टीशर्ट पहनने पर रोक लगा दी गई है। यह रोक कर्मचारियों के साथ अधिकारियों के लिए है। अब किसी को भी जींस तथा टी-शर्ट या अन्य कैजुअल परिधान पहनकर सचिवालय में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

बलिया: दहेज हत्या मामले में पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

बलिया (उप्र)। बलिया जिले की एक स्थानीय अदालतने एक महिला की दहेज को लेकर हत्या के तीन साल पुराने मामले में पति सहित पांच परिजनों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताडा ने शनिवार को बताया कि बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के गंजरी शिवपुर दियर गांव के अशोक सिंह ने अपनी पुत्री मीनाकी शादी हिन्दू रीति रिवाज से फरवरी 2008 में बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के रोहुआ गांव के शेषनाथ सिंहके साथ की थी। उन्होंने बताया कि मीना की गत तीन अप्रैल 2018 को दहेज को लेकर ससुराल में जलाकर हत्या कर दी गयी। इस मामले में विवाहिता के पिता अशोक सिंह की शिकायत पर बांसडीह कोतवाली में पति शेषनाथ सहित पांच लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने पांचों आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। उन्होंने बताया कि अपर जिला जज नितिन कुमार ठाकुर के न्यायालय ने शुक्रवार को दोनों पक्षों की दलील सुनने व साक्ष्यों को देखने के बाद पति शेषनाथ उर्फ शेष बहादुर सिंह , ससुर सुरेश सिंह , सास तेतरी देवी व जेठानी द्वय सुनीता सिंह व सरिता सिंह को दोषी करार देते हुए आजीवनकारावासकी सजा सुनायी तथा प्रत्येक आरोपी को पांच हजार रुपये के अर्थ दण्ड से दण्डित किया। अर्थ दण्ड न अदा करने पर छह माह का अतिरिक्त कारवास भुगतना होगा।

एयर इंडिया और सिंधिया दोनो है बिकाऊ: पूर्व मंत्री अरुण यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर कांग्रेस ने बार बार कटाक्ष कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व मंत्री अरुण यादव ने कहा एयर इंडिया और सिंधिया दोनों बिकाऊ हैं। सिंधिया का इतिहास रहा है, आजादी के समय उनके खानदान ने क्या किया, देश क्या पूरा विश्व जानता है। बता दें कि पूर्व मंत्री अरुण यादव ने कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने षडयंत्र कर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिराई थी। देश के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब निर्वाचित सरकार को गिराने का काम उन्हीं लोगों ने किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सिंधिया आज जहां भी पहुंचे हैं, दोनों की स्थिति एक जैसी है। दरअसल अरुण यादव ने छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल द्वारा सिंधिया पर की टिप्पणी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा भूपेश बघेल ने जो कहा शत प्रतिशत उनकी टिप्पणी से सहमत हूं। मुख्यमंत्री बघेल ने सिंधिया को बिकाऊ कहते हुए कहा था कि बीजेपी की सरकार एयर इंडिया को बेचने जा रही है और इसी लिए सिंधिया को उड्डयन मंत्री बनाया गया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष समेत 500 से ज्यादा लोगों पर मुकदमा

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के मौनव्रत मामले में पुलिस ने हजरतगंज कोतवाली में प्रदेश अध्यक्ष समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में सचिवालय चौकी इंचार्ज बृजेश गिरी की तहरीर के आधार पर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी और दिलप्रीत समेत 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 144 के उल्लंघन को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। शुक्रवार को लखनऊ पहुंचीं प्रियंका का जीपीओ पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम था, इस कार्यक्रम के बाद वह प्रतिमा के सामने मौन धरना पर बैठ गईं। लखनऊ में धारा 144 लागू होने के बाद भी उनके समर्थकों ने इसकी तथा कोविड प्रोटोकॉल की कोई परवाह नहीं की। लखनऊ पुलिस ने इस कृत्य पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू सहित 500 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि राजधानी में धारा-144 लागू है।

यूपी के बाद असम में भी अपराधियों का हो रहा एनकाउंटर, आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम के नई सरकार लगातार आक्रामक रवैया अपना रही है। आक्रमक फैसलों के अलावा अब वहां क्राइम को लेकर भी सख्त नीति अपनाई जा रही है। यही कारण है कि पिछले 2 महीने में हिरासत से भागने की कोशिश मामले में 34 संदिग्ध उग्रवादियों और अपराधियों को पुलिस ने गोली मार दी। 34 में से 15 की मौत हो गई जबकि 19 घायल हुए। इनमें ऐसे अपराधी शामिल हैं जो शूटिंग की घटना के साथ साथ बलात्कार, हत्या, नशीली दवाओं की तस्करी, मवेशी तस्करी और डकैती सहित अलग-अलग मामले में जेल में थे। इनमें दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी यूनाइटेड, पीपुल्स रिवॉल्यूशनरी फ्रंट और नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ बोडोलैंड के 10 आतंकवादी भी शामिल हैं।

राज्य में नशीली दवाओं की तस्करी के सिलसिले में लगभग 1800 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दो बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इसी को लेकर अब पुलिस सख्त होती दिखाई दे रही है। राज्य सरकार पशु तस्करी के खिलाफ भी जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए हुए है। पुलिस को पशु तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से छूट दी गई है। पशु तस्करी के मामले में अब तक

504 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिनमें से चार ने भागने की कोशिश की थी। सबसे बड़ी बात यह है कि इनमें से ज्यादातर गिरफ्तारियां उस इलाके में हुई जहां अल्पसंख्यक ज्यादा है। इसको लेकर अब राज्य में राजनीति तेज हो गई है। विपक्ष मुठभेड़ों की बढ़ती संख्या को लेकर हमलावर हो गया है। सरकार पर नित्य नए-नए आरोप लगा रहा है। विपक्ष का दावा है कि हिमंत बिस?व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद असम पुलिस क्रूर हो गई है।

कांग्रेस ने तो यहां तक कह दिया है कि राज्य का आने वाला भविष्य खतरनाक हो सकता है। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठा। विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों को लेकर मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से अपील की कि वे लोगों में सख्त संदेश देने की कोशिश करें कि सदन किसी भी प्रकार के अपराध के खिलाफ है। भले ही विपक्ष पुलिस की कार्रवाई को क्रूर बता रहा हो लेकिन मुख्यमंत्री ने तो विधानसभा में डीजीपी को बधाई देते हुए कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान असम पुलिस बढ़िया काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस निर्दोष को प्रताड़ित नहीं करें लेकिन जहां तक कानून के तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की बात है तो उसके लिए उन्हें पूरी छूट है।

हिमंत ने आगे कहा कि राज्य का मुख्यमंत्री होने के नाते मैं पूरी जिम्मेदारी से कहना चाहता हूं कि गौ तस्करी, मादक पदार्थों का कारोबार, मानव तस्करी, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध और हर अपराध के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है और इनमें धर्म और जात से परे जाकर निपटा जाएगा। हेमंता ने यह भी कहा कि अपराधियों को यह बात समझना होगा कि वर्तमान में मजबूत सरकार है जो आत्मविश्वास से भरी हुई है। भागने और हमला करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में देखे तो हिमंत बिस?व सरमा उसी रास्ते पर चल रहे हैं जिस रास्ते पर लगातार योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में चलते रहे। उत्तर प्रदेश में भी अपराधियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश है जिसमें हमने देखा कि किस तरह से उत्तर प्रदेश में भी एनकाउंटर की खबरें लगातार आती रहीं।

भाजपा आलाकमान ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को जाने का संदेश दिया: सूत्र

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने शनिवार सुबह जोर देकर कहा कि सब कुछ ठीक है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा आलाकमान ने येदियुरप्पा को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जो इस समय दिल्ली का दौरा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा के अपना कार्यकाल पूरा करने के अपने रुख पर अड़े रहने के बावजूद, भाजपा आलाकमान इस बात पर जोर दे रहा है कि उन्हें पार्टी के हित में नए मुख्यमंत्री के लिए रास्ता बनाना चाहिए। पार्टी में जन नेता की अनुपस्थिति और लिंगायत वोटों पर येदियुरप्पा के गढ़ को देखते हुए कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए भाजपा आलाकमान सावधानी से चल रहा है। सूत्रों ने बताया, उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। येदियुरप्पा को पहले ही बता दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेता उनके बेटों - बी.वाई. राघवेंद्र और बी.वाई. विजयेंद्र को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पद दे रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि येदियुरप्पा अगस्त तक इस्तीफा दे सकते हैं और कर्नाटक में एक नया मुख्यमंत्री कार्यभार संभालेगा। उनके साथ बातचीत शुरू हो गई है और इस प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा। भाजपा आलाकमान को उनकी जगह लेने की कोई जल्दी नहीं है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी चाहती है कि लिंगायत का समर्थन आधार बरकरार रहे। मुख्यमंत्री पद के लिए कैबिनेट मंत्री बसवराज बोम्मई और मुरुगेश निरानी के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों ने बताया कि इस सूची में भाजपा विधायक अरविंद बेलाड का भी नाम है।

भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक साथ आना असंभव है: नवाब मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की है। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक कयासों का दौर जारी है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात लगभग एक घंटे तक चली। बात एनसीपी और भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर भी होने लगी थी। इसी को लेकर पर एमसीपी प्रवक्ता ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एमसीपी प्रवक्ता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि राजनीति विचारों के आधार पर होती है, संघ का राष्ट्रवाद और राष्ट्रवादी पार्टी के राष्ट्रवाद में ज़मीन आसमान आ अंतर है। नदी के दो छोर कभी नहीं मिल सकते, ये सच्चाई है। भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक साथ आना असंभव है।

मलिक ने कहा कि कई लोग गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। यह गलत है कि दिल्ली में पवार साहब और महाराष्ट्र के विपक्षी नेताओं की बैठक हुई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राष्ट्र हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। पवार ने एक ट्वीट में कहा, ''देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। राष्ट्र हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर

चर्चा की।'' इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने ट्वीट कर दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात की एक तस्वीर साझा की थी। ज्ञात हो कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को शरद पवार और पूर्व रक्षा मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता ए के एंटनी से मुलाकात की थी।

प्रियंका बोलीं, यूपी में जहां-जहां हिंसा हुई वहां के चुनाव रद्द करने को लेकर चुनाव आयोग को लिखेंगी पत्र

लखीमपुर (एजेंसी)।

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को लखीमपुर के पंसगवा ब्लॉक के सेमरा घाट पहुंचकर ब्लॉक प्रमुख चुनाव में अभद्रता का शिकार हुई सपा की महिला उम्मीदवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें सांत्वना दी और कहा कि वह हर हाल में उन्हें न्याय दिलाकर रहेंगी। जहां जहां चुनाव में हिंसा हुई है वहां के चुनाव रद्द कराने के लिए आयोग को पत्र लिखेंगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतंत्र का चीरहरण करने वाले भाजपा के गुंडे कान खोलकर सुन लें, महिलाएं प्रधान, ब्लॉक प्रमुख, विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री बनेंगी और उनपर अत्याचार करने वालों को शह देने वाली सरकार को शिकस्त देंगी। पंचायत चुनाव में भाजपा द्वारा की गयी हिंसा की शिकार अपनी सभी बहनों, नागरिकों के न्याय के लिए मैं राज्य चुनाव आयोग को पत्र लिखूंगी। प्रियंका ने पीड़िता से भेंट कर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया और कहा कि वो चुनाव आयोग को पत्र लिखेंगी और जहां-जहां हिंसा हुई है वहां के ब्लॉक प्रमुख चुनाव को रद्द करने की मांग करेंगी। करीब 20 मिनट

की मुलाकात में उन्होंने पीड़ित महिला को गले भी लगाया। उन्होंने यूपी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आठ जुलाई को ब्लॉक प्रमुख के नामांकन के दौरान महिला प्रत्याशी से बदसलूकी की जाती है और पुलिस खड़ी-खड़ी देखती रहती है। उन्होंने कहा कि वह मांग करती हैं यह चुनाव रद्द होगा और जो लोग भी इस कांड में दोषी हैं उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। यूपी पंचायत चुनाव में हुई हिंसा पर सवाल उठाते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि पंचायत चुनाव में जीत पर पीएम मोदी और योगी तारीफ करते हैं, लेकिन उनको यहां की सच्चाई नजर नहीं आती, जबकि घटना के वीडियो सामने आए हैं। दो महिलाओं से बदसलूकी होती है। प्रशासन मौन रहता है। गांधी ने कहा की लगभग हर जिले में कुछ न कुछ हुआ है। कहीं हिंसा हुई है, कहीं बम फूटे हैं और कहीं महिलाओं के साथ ज्यादती हुई है, और प्रधानमंत्री जी पंचायत चुनाव की जीत पर मिठाई बांटते हैं। यह लोकतंत्र की हत्या नहीं तो और क्या है। उन्होंने कहा कि जिस अकेले सीओ ने पीड़ितों को बचाने की कोशिश की सरकार ने उसे ही निलंबित कर दिया। बाकी अधिकारी जो खड़े थे उनको कुछ नहीं किया। वाड्रा ने आरोप लगाया कि कोई भी आदमी 10 गुंडे लेकर इस तरह से दबंगई करेगा और चुनाव जीतकर चला जाएगा। क्या यही लोकतंत्र है, क्या इस तरह का लोकतंत्र ही देश और प्रदेश में स्थापित होना चाहिए लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई गई हैं और प्रधानमंत्री भी योगी सरकार के पंचायत चुनाव में प्रदर्शन की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर यही करना है तो फिर महिला आरक्षण क्यों किया गया। कहा कि वह इस अत्याचार के खिलाफ खड़ी रहेंगी। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू विधानमंडल दल के नेता आराधना मिश्रा मोना, पूर्व सांसद जफर अली नकवी वरिष्ठ नेता दीपक, अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव धीरज गुर्जर, जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल समेत तमाम कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बजट घोषणाएं समय पर पूरी हों हमारी सरकार ये सुनिश्चित करेगी: अशोक गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस महामारी के विपरीत असर के बावजूद उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बजट घोषणाएं निर्धारित समय पर पूरी हों। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए नियमित रूप से निगरानी रखें ताकि आमजन को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। गहलोत शुक्रवार को जोधपुर जिले के विभिन्न नगरों एवं गांवों में लगभग 85 करोड़ रुपये की लागत से 107 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, बिजली,

पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से संबंधित आधारभूत ढांचे का विकास हमारी प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बीते सालों में हमने इन क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए हैं। यह खुशी की बात है कि स्मार्ट सिटी मिशन में राजस्थान देश का प्रथम राज्य बना है। उन्होंने इसके लिए प्रदेशवासियों तथा स्मार्ट सिटी मिशन से जुड़े अधिकारियों को बधाई दी। गहलोत ने कहा कि 2 अक्टूबर से प्रशासन गांवों के संग तथा प्रशासन शहरों के संग अभियान शुरू होने जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियानों के शिविरों में योजनाबद्ध तरीके से आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इनकी योजना इस तरह से हो कि लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवरेज की सफाई कार्य के लिए सफाईकर्मियों को मेन होल में नहीं उतरना पड़े, इसके लिए हमारी सरकार ने मशीनों से सफाई करने का संवेदनशील निर्णय लिया और बजट में इसके लिए आवश्यक उपकरण एवं मशीनें खरीदने के लिए 176 करोड़ रूपए की घोषणा की।

हमारी संप्रभुता को चुनौती देने वाले को उन्हीं की भाषा में दिया गया जवाब: अमित शाह

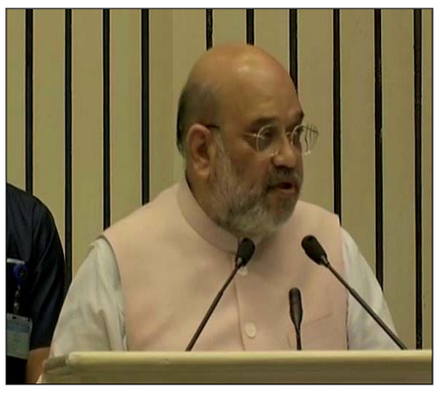

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गृह मंत्री अमित शाह सीमा सुरक्षा बल के 18वें अलंकरण समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान अपने संबोधन में गृह मंत्री अमित शाह ने भरोसा जताया कि सभी चुनौतियों को पार कर पैरामिलिट्री फोर्स सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे। अपने संबोधन में गृह मंत्री ने कहा कि मैं उन लोगों को सलाम करता हूं जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया है क्योंकि पूरा देश जानता है कि आप सजग बनकर देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, इसी कारण आज देश लोकतंत्र के अपनाए हुए विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, उन बलिदानियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। एजेंसी के मुताबिक अमित शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा के काम में लगे बीएसएफ और सभी पैरामिलिट्री फोर्स के कारण आज भारत विश्व के नक्शे पर अपना गौरवमय स्थान दर्ज करा रहा है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ, मानव तस्करी, गौ तस्करी, हथियारों की तस्करी, ड्रोन..ये सभी चुनौतियां हैं लेकिन मुझे पैरामिलिट्री फोर्स पर पूरा विश्वास है कि वे सभी चुनौतियों को पार सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे। सीमा सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा है। हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। मुझे अपने अर्धसैनिक बलों पर पूरा भरोसा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारे पास एक स्वतंत्र रक्षा नीति है जिसके जरिए हमने उन्हें उन्ही के भाषा में जवाब दिया है जिन्होंने हमारी संप्रभुता चुनौती दी है।

केरल सरकार की महिला अधिकारी के खिलाफ कांग्रेस ने किया पलटवार

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और राजस्व मंत्री के. राजन के उस रवैये की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने राजस्व विभाग में काम करने वाली राज्य सरकार की एक महिला कर्मचारी के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की थी, उन्होंने विवादित पेड़ काटने के आदेश के संबंध में सूचना के अधिकार के तहत फाइलें दीं। ओ.जी. अवर सचिव (राजस्व) के रूप में कार्यरत सालिनी राज्य सरकार के दबाव में आ गईं क्योंकि उनकी अच्छी सेवा प्रविष्टि जो शीर्ष नौकरशाह और राजस्व सचिव ए. जयतिलक द्वारा कुछ महीने पहले दी गई थी, उनको पिछले सप्ताह यह कहते हुए रद्द कर दिया गया था कि उनकी ईमानदारी संदिग्ध है। मीडिया से बात करते हुए सतीसन ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि जब विजयन महिलाओं के सम्मान और महिलाओं के उत्थान के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की बात करते हैं, तो देखें कि इस सरकारी अधिकारी के साथ क्या हुआ है। किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी अधिकारी को शीर्ष अधिकारी (जयतिलक) द्वारा एक अच्छी सेवा प्रविष्टि दी गई थी और कुछ ही हफ्तों में, केवल एक चीज हुई है कि उसने आरटीआई के माध्यम से आने वाली फाइलें देने का अपना कर्तव्य किया। उन्होंने ऐसा किया, अचानक उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाया जा रहा है और यह सरकार और राजस्व विभाग द्वारा किया गया एक शर्मनाक कार्य है। सतीसन ने कहा और पूछा कि क्या केरल में राजस्व मंत्री हैं, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि निर्णय अधिकारियों द्वारा लिए जाते हैं। केरल में सत्तारूढ़ वाम सरकार की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी भाकपा पिछले महीने करीब 150 करोड़ रुपये के पेड़ काटने के घोटाले के सामने आने के बाद से परेशान है। यह तत्कालीन राजस्व मंत्री - भाकपा के ई. चंद्रशेखरन थे, जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में वायनाड और अन्य आठ जिलों में पेड़ों की कटाई के आदेश जारी किए थे, जिसमें कहा गया था कि चंदन, शीशम सागौन की लकड़ी, और आबनूस जैसे शाही पेड़ों की कटाई के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

यह इस प्रकरण से संबंधित सवाल था कि सालिनी ने अपने सामने आए आरटीआई के माध्यम से जवाब दिया, जिससे विजयन सरकार नाराज हो गई थी। हालांकि, राज्य के राजस्व मंत्री और भाकपा नेता के. राजन ने सालिनी के खिलाफ की गई कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या हुआ है। राजन ने कहा, देखो,

न तो मुख्यमंत्री और न ही मंत्री को विभाग की सभी फाइलें देखनी हैं। ऐसे निर्णय हैं जो उच्च अधिकारियों द्वारा लिए जाते हैं और जो कुछ भी होता है उसे मंत्री को जानने की आवश्यकता नहीं होती है। वैसे भी मैं जांच करूंगा कि सतीसन के पास क्या है। 22 जुलाई से शुरू होने वाले केरल विधानसभा सत्र के साथ, यह मुद्दा विजयन सरकार को कटघरे में खड़ा कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)